R.N.I.No. UPHIN/2016/66574

हिन्दी साप्ताहिक

मिशन संदेश

Website: https:://www.missionsandesh.com E-mail-missionsandesh.skn@gmail.com

मो.सईद पठान (प्रधान संपादक)
डॉ. अब्दुल गनी (प्रभारी)
राजधानी दिल्ली ब्यूरो कार्यालय
58, गली नम्बर 04 न्यू लाहौर शास्त्री नगर- नई दिल्ली 110031
संपर्क - +917860848485

वर्ष : 09 अंक: 03 रविवार 18 फरवरी से 24 फरवरी 2024 पृष्ठ –08 मूल्य : 3 रुपये

मुख्यमंत्री ने सेवानिवृत्त अधिकारियों और वरिष्ठ शिक्षाविदों के साथ संवाद किया

यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट–2023 से 40 लाख करोड़ रु0 के निवेश प्रस्ताव मिला, एक वर्ष के भीतर ही इन्हें जमीन पर उतारा जा रहा – मुख्यमंत्री

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में सेवानिवृत्त अधिकारियों और वरिष्ठ शिक्षाविदों के साथ संवाद किया। 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक की औद्योगिक परियो जनाओं की एक साथ ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी से पूर्व सेवानिवृत्त अधिकारियों और वरिष्ठ शिक्षाविदों का समूह यू0पी0 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट–2023 और जी0बी0सी0 के विविध आयामों से युवाओं का परिचय करायेगा। इसके लिए, मुख्यमंत्री जी ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के 12, भारतीय पुलिस सेवा के 04 और भारतीय वन सेवा के 07 अधिकारियों (सभी सेवानिवृत्त) तथा 19 शिक्षाविदों की 42 सदस्यीय टीम गठित की है। आगामी 17 –18 फरवरी को यह टीम अलग–अलग विश्व विद्यालयों/महाविद्यालयों में युवाओं से संवाद कर नौकरी,रोजगार,सेवायोजन से जुड़ी उनकी जिज्ञासाओं का समाधान करेगी। साथ ही, युवाओं को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट–2023 और जी0बी0सी0 के सम्बन्ध में जागरूक करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत वर्ष 10–12 फरवरी तक आयोजित यू0पी0 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट–2023 की अभूतपूर्व सफलता से आप सभी सेवानिवृत्त अधिकारी तथा शिक्षाविद सुपरिचित हैं। इस समिट के माध्यम से लगभग 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव हमें प्राप्त हुए। अब एक वर्ष के भीतर ही इन्हें जमीन पर उतारा जा रहा है। यह प्रदेश के समग्र विकास और हमारे युवाओं के नौकरी एवं सेवायोजन के लिए अत्यंत लाभकारी होगा। आप सभी प्रदेश की इस सफलता के साक्षी तथा सहयात्री रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश अपार सम्भावनाओं का प्रदेश है। देश और प्रदेश के समग्र विकास में हमें इन सम्भावनाओं को जमीन पर उतारना होगा।आप सभी के पास सावजनिक जीवन का लम्बा अनुभव है। आपने महत्वपूर्ण पदों पर दायित्व निर्वहन किया है। आपके इन अनुभवों से हमारे युवा लाभान्वित हों, इसके लिए आप सभी का सहयोग अपेक्षित है।किसी भी योजना की सफलता के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि वह योजना जिसके लिए बनाई गई है, उसे उसकी जानकारी हो। अच्छी योजनाएं जागरूकता के अभाव में असफल हो जाती हैं। इसलिए सरकार, इंडस्ट्री और शिक्षण संस्थाओं के बीच सतत संवाद और संपर्क महत्वपूर्ण है। इस उद्देश्य से राज्य सरकार आप सभी अनुभवी अधिकारियों और शिक्षाविदों का सहयोग ले रही है। जी0 बी0सी0 के आयोजन के पूर्व विश्ववि द्यालयों व अन्य शैक्षिक संस्थानों में आप सभी का युवाओं से संवाद महत्वपूर्ण होगा। संवाद करते हुए आप उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी की गई विभिन्न नीतियों के माध्यम से प्रदेश में वृहद पूंजी निवेश आकर्षित किये जाने की योजनाओं की जानकारी दें। भारत सरकार और प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं से उनका परिचय कराएं। उनकी जिज्ञासाओं का समाधान करें। ताकि अधिकाधिक युवा योजनाओं से लाभान्वित हो सकें। यह समिट किस प्रकार उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए उपयोगी होगा, इस सम्बन्ध में युवाओं का मार्गदर्शन करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्ववि द्यालयों एवं महा विद्यालयों को अपने सामाजिक दायित्वों का भी निर्वहन करना चाहिए। यहां अध्ययनरत युवा सरकार की नीतियों, योजनाओं, कार्यक्रमों से सुगम तापूर्वक परिचित हो सकें, इसके लिए सहज व्यवस्था होनी चाहिए। विश्ववि द्यालयों को इसके लिए स्वप्रेरणा से कार्य करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यू0पी0 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी जैसे प्रयास केवल उद्यमियों के लिए नहीं हैं, अपितु इसके केंद्र में हमारा युवा वर्ग है। इसका सबसे ज्यादा लाभ युवाओं को ही होगा। उद्योग लगेंगे तो रोजगार के अवसर सृजित होंगे और इसका सीधा लाभ हमारे युवाओं को होगा। हम अपने युवाओं का कौशल उन्नयन भी कर रहे हैं और उनके लिए रोजगार के अवसर भी सृजित कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में विकास में असमानता एक बड़ी समस्या रही है। मध्य उत्तर प्रदेश और एन0 सी0 आर0 की तुलना में पूर्वी उत्तर प्रदेश और बुन्देलखण्ड का बहुत कम विकास हुआ था। यहां न तो इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेन्ट का काम हुआ था और न ही लोगों के जीवन स्तर में सुधार के प्रयास किए गए थे। पूर्वी उत्तर प्रदेश और बुन्देलखण्ड में उद्योग नहीं लग पाए। परिणामस्वरूप यहां के युवाओं के सामने पलायन का संकट रहा। हमने इस असमान विकास की समस्या के स्थायी निराकरण के लिए ठोस प्रयास किये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यू0पी0 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट–2023 इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण रहा कि इसमें प्रदेश के सभी जनपदों के लिए निवेश मिला है।

जिला सूचना कार्यक्रम के लेखाकार का दिल का दौरा पड़ने से निधन

अधिकारियों और पत्रकारों में शोक की लहर

दोस्त की शादी में नाचते समय पड़ा दिल का दौरा, कैली अस्पताल में उपचार के दौरान हुई मौत

संतकबीरनगर। सूचना अधिकारी संतकबीरनगर कार्यालय में लेखाकार पद पर तैनात 38 वर्षीय रत्नेश चौधरी का बीती रात दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के ग्राम खम्हरिया निवासी रत्नेश चौधरी पुत्र जगदीश चौधरी शनिवार की शाम दोस्त की शादी में शामिल होने बस्ती गए थे। द्वारपूजा के समय दोस्तों के साथ डांस कर रहे थे। इसी दौरान उनके सीने में दर्द उठा और बेचैनी होने लगी। आनन फानन में लोग उन्हें लेकर कैली मेडिकल कालेज लेकर पहुंचे। मौजूद डाक्टरों ने उनका उपचार शुरू कर दिया। लोगों ने इस बात की सूचना उनके परिजनों को भी दे दिया। परिजन अस्पताल पहुंचे तो वे पूरी तरह होश में थे ओर उन्होंने बताया कि दर्द में अब काफी आराम है। परिजनों के साथ अस्पताल के बेड पर बैठ कर बातचीत कर रहे थे कि इसी बीच उन्होंने अपने छोटे भाई से बेचैनी और चक्कर आने की शिकायत किया। अभी लोग कुछ समझ पाते कि रत्नेश चौधरी बेड पर गिरकर बेसुध हो गए। लोगों ने दुबारा डाक्टर को बुलाया लेकिन तबतक उनकी मौत हो चुकी थी। अचानक हुई मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन रात में ही उनका शव लेकर घर चले आए। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारियों और पत्रकारों में शोक की लहर दौड़ गई।

लोग उनके घर पहुंच कर परिजनों को ढांढस बंधाने में जुटे थे लेकिन परिजनों के करुण क्रंदन को देख सभी के धैर्य जवाब दे रहे थे। परिजनों को सांत्वना देने के लिए किसी के पास शब्द नहीं थे। परिजनों को सांत्वना देने वालों में सहायक सूचना निदेशक बस्ती प्रभात त्रिपाठी, सूचना अधिकारी संतकबीरनगर सुरेश कुमार सरोज, वरिष्ठ पत्रकार रमेश शर्मा, गोरखनाथ मिश्र, के.के. मिश्र, अमित पांडेय, जितेन्द्र पाठक, उमेश चौधरी समेत तमाम लोग शामिल रहे।

संतकबीरनगर जिला सूचना अधिकारी सुरेश कुमार सरोज ने बताया कि रत्नेश चौधरी के असामयिक निधन से कार्यालय सूना हो गया है। सभी कर्मचारी बेहाल हैं। रत्नेश का हंसता मुस्कुराता चेहरा आंखों से ओझल नहीं हो रहा है। उन्होंने बताया कि आज दिन सोमवार की सुबह 10 बजे कार्यालय पर शोकसभा का आयोजन किया गया है। उन्होंने सभी कर्मचारियों और पत्रकार साथियों का आह्वान किया है कि दिवंगत आत्मा की शांति के लिए आयोजित शोकसभा में पहुंच कर अपनी संवेदना ब्यक्त करें। इनके आह्वान पर सैकड़ो इले क्ट्रॉनिक/प्रिंट/एवं डिज़िटल माध्यम के पत्रकारों ने शोकसभा में पहुँच कर अपनी संवेदना व्यक्त की ।

वर्ष 2018 में दरोगा पद पर भर्ती हुए थे रत्नेश

संतकबीरनगर। सूचना अधिकारी कार्यालय में लेखाकार रहे रत्नेश चौधरी ने अपने कारोबारी जीवन की शुरुआत जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय में कम्प्यूटर आपरेटर पद से किया था। वर्ष 2018 में वे पुलिस विभाग में दरोगा पद पर भर्ती हो गए। लगातार 8 माह तक पुलिस की ट्रेनिंग भी किया। लेकिन जिला सूचना अधिकारी कार्यालय में लेखाकार पद पर चयनित होने के बाद यह कहकर पुलिस विभाग की नौकरी छोड़ दिया कि जिले में रहकर नौकरी करूंगा तो परिवार की देखभाल करने का भी समय मिलता रहेगा।

और जब दहाड़ें मारकर रोने लगे सहायक सूचना निदेशक बस्ती

संतकबीरनगर। लेखाकार रत्नेश चौधरी के निधन की सूचना पर पहुंचे सहायक सूचना निदेशक बस्ती प्रभात त्रिपाठी रत्नेश चौधरी का पार्थिव शरीर देखते ही दहाड़ें मार कर रोने लगे। सूचना अधिकारी संतकबीरनगर सुरेश कुमार सरोज से लिपट कर रोते हुए उन्होंने बताया कि ऐसा सहकर्मी मिल पाना असम्भव है। अभी दो दिन पहले ही मेरे पास आकर वैष्णो देवी दर्शन करने के लिए छुट्टी मांगने आया था। क्या पता था कि जिस दिन वैष्णो देवी की यात्रा पर जाने की तैयारी कर रहा है उसी दिन अंतिम यात्रा पर चला जाएगा। उनके करुण क्रंदन को देख मौजूद सभी लोग फफक कर रोने लगे।

परिजनों पर टूटा विपत्ति का पहाड़

संतकबीरनगर। रत्नेश चौधरी दो भाइयों में सबसे बड़े थे, छोटे भाई को इंजीनियरिंग की पढ़ाई कराने के बाद वे उसे किसी अच्छी जगह स्थापित कराने की कोशिश में जुटे थे। माता–पिता, भाई, पत्नी और दो मासूम बच्चों का इकलौता सहारा छिन जाने से परिजनों पर विपत्ति का पहाड़ टूट पड़ा है। मृतक के 7 वर्षीय एक बेटा और 4 वर्षीया एक बेटी हैं। मासूम बच्चे लोगों को रोते बिलखते देख सहमे हुए थे। उन्हें इस बात का एहसास ही नहीं था कि आफिस से लौट कर उन्हें सीने से लगाकर दुलारने वाले पापा अब कभी वापस नहीं लौटेंगे।

संक्षिप्त समाचार

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, तीन लोगों की मौके पर ही मौत

संवाददाता

फतेहपुर जिले में तेज रफ्तार बेकाबू ट्रक ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, ट्रक चालक मौके से फरार होने में कामयाब रहा। जानकारी के अनुसार, सदर कोतवाली स्थित पावर ग्रीड के पास एक तेज रफ्तार बेकाबू ट्रक ने तीन बाइक सवार लोगों को रौंद दिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि हादसे का शिकार बने तीनों बाइक सवारों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया है। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। राहगीरों की सूचना पर पुलिस ने पहुंचकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, पुलिस ने ट्रक को हिरासत में ले लिया है, जबकि चालक फरार चल रहा है।

नलकूप पर सो रहे किसान की धारदार हथियार से हत्या, जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता

फतेहपुर। जिले में निर्मम हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। नलकूप पर सो रहे किसान को धारदार हथियार से वार कर मौत के घाट उतार दिया गया। यूपी के फतेहपुर में नलकूप पर सो रहे किसान की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जहानाबाद थाना क्षेत्र के गांव रोशनपुर निवासी हरिशचंद्र निषाद रोजाना की तरह मंगलवार की रात घर से खाना खाकर खैराबाद स्थित खेत में बने नलकूप पर सोने चला गया। सुबह घर न आने पर परिजन नलकूप पहुंचे। वहां पर हरिश्चन्द्र खून से लथपथ मृत अवस्था में पड़ा था। गले पर धारदार हथियार के निशान थे। घटना स्थल पर ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा हैं।

वीडियो कॉल पर दिया तीन तलाक: पत्नी से बोला- यहां नहीं मोदी राज

संवाददाता

फतेहपुर।विदेश में नौकरी करने वाले युवक ने पत्नी को तीन तलाक देकर बोला वह बहरीन में है, यहां मोदी का राज नहीं है। एसपी से शिकायत के बाद महिला थाने की पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। महिला ने ससुर पर दुष्कर्म के प्रयास का आरोप लगाया है। मलवां थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली महिला की शादी कानपुर किदवई नगर गेट नंबर छह के रहने वाले खालिद अली के साथ 2015 में हुई थी। महिला का आरोप है कि शादी के बाद से पति और ससुर का व्यवहार ठीक नहीं था। पति कमाने बहरीन (विदेश) चले गए। वह 20 दिसंबर को जब घर में अकेली थी, तभी ससुर ने दुष्कर्म का प्रयास किया। उसका चोरी–छिपे नहाने का वीडियो बनाया और वायरल करने की धमकी दी। विरोध करने पर ससुर ने गला दबाकर उसको जान से मारने का प्रयास किया। किसी तरह जान बचाई। कुछ देर बाद पति ने ससुर को व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल की। स्पीकर पर पति ने बोला कि जो अब्बा कहते हैं, वैसा ही करो। मना करने पर गाली गलौज कर तीन बार तलाक बोल दिया। पति बोला कि वह बहरीन में है, यहां मोदी का राज नहीं चलता। वह दोनों पुत्रियों को लेकर अपने मायके आ गई। महिला ने एसपी से शिकायत की। प्रभारी निरीक्षक संगीता सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

मैरिज हाल पर सिर्फ नोटिस की कार्रवाई

संवाददाता

फतेहपुर। शहर के 45 मैरिज हाल को नोटिस देकर विभाग ने चुप्पी साध ली है। नतीजा शहर में हर मैरिज हॉल के सामने सड़कों पर लोग देर रात तक जाम में फंसे रहते हैं। डीजे की तेज धुन और वाहनों के प्रदूषण के बीच फंसकर शहरवासी परेशान हो रहे हैं। शहर की प्रमुख सड़कों के अलावा गलियों में लगभग 150 मैरिज हाल हैं। अधिकांश में पार्किंग समेत अन्य जरूरी सुविधाएं नहीं हैं। यही वजह है कि सहालग शुरू होते ही रात में जाम लगने लगा है। मैरिज हाल के सामने फुटपाथ से लेकर सड़क तक वाहन खड़ा कर देते हैं। वहीं बरात की डीजे गाड़ी, रोड लाइट व बरातियों की भीड़ पूरी सड़क घेर लगती है। मुख्य रूप से आईटीआई रोड, पत्थरकटा, जीटी रोड, बांदा सागर रोड में थरियांव मांडर से अशोक नगर, लोधीगंज से बाकरगंज में जाम में फंसकर लोग परेशान रहते हैं। समस्याओं को देखते हुए सदर तहसील की ओर से लगभग डेढ़ महीने पहले 45 मैरिज हाल को नोटिस भी भेजा गया। लापरवाही का नतीजा यह हुआ कि सहालग शुरू होते ही जाम की समस्या से लोगों को हर रोज दो चार होना पड़ रहा है। ये समस्या शाम 7 बजे से रात 11 बजे तक अधिक रहती है। शहर में सिर्फ दो मैरिज हाल के पास ही फायर की एनओसी है। यातायात निरीक्षक अजय सिंह का कहना है कि यह समस्या गंभीर है। मैरिज हालों के सामने फुटपाथों पर वाहन खड़ा करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा। जल्दी ऐसे मैरिज हालों पर कार्रवाई की जाएगी, जिससे इस गंभीर समस्या से शहरवासियों को निजात मिल सके। .नगर पालिका से बिना अनुमति के शहर में मैरिज हाल खोले गए हैं। बिना पार्किंग स्थल के मैरिज खोलना गलत है। इससे रात के समय सड़कों से निकलने में लोगों को दिक्कतें होती हैं। सभी को एक बार फिर से नोटिस भेजी जाएगी। मैरिज हालों की आंतरिक सुरक्षा भी मानक विहीन है। बिना फायर पुलिस की एनओसी के सभी मैरिज हाल संचालित हो रहे हैं।

ताने पर केतकी ने दी थी जान, आरोपी पिता गिरफ्तार

संवाददाता

फतेहपुर। फतेहपुर में सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के हसनपुर कसार गांव में सात फरवरी को कुएं से मिले शव के मामले का पटाक्षेप हो गया। प्रकरण में पिता और भाई पर आत्महत्या के लिए उकसाने व शव छिपाने का मुकदमा दर्ज किया है। युवती ने 10 जनवरी को फंदा लगाया था। इसके बाद शव के कमर में ईंट भरी बोरी बांधकर फेंकी थी। पुलिस ने मंगलवार को आरोपी पिता को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। थाना क्षेत्र के हसनपुर कसार गांव के मुन्नू सिंह के खेत पर कुएं से शव मिला था। शव की पहचान 10 फरवरी को आलमतारा गांव के कल्लू बाबा का पुरवा निवासी भज्जी पासवान की पुत्री केतकी (20) के रूप में हुई थी।

पोस्टमार्टम के बाद सोमवार रात युवती की मौत का मुकदमा दर्ज किया गया है। मुकदमा केतकी की कौशांबी जिला कड़ाधाम थाना क्षेत्र के जहानपुर निवासी मौसी विनीता पत्नी जियालाल ने दर्ज कराया है। विनीता ने एफआईआर में बताया कि बहनोई भज्जी पासवान की पुत्री केतकी चंचल किस्म की थी। मोबाइल पर बातचीत करने पर बहनोई ने केतकी को डांटा फटकारा था। भज्जी और उसके पुत्र लालजी ने फटकारते हुए केतकी से बोला था कि तू मर जाती तो समाज में हमारा कलंक खत्म हो जाता। पिता और भाई के ताने से आजिज आकर 10 जनवरी को केतकी ने कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी थी। फंदे से शव को उतारने के बाद पिता और पुत्र ने केतकी के शव को कथरी में लपेटकर बाइक से ठाकुर मुन्नू सिंह के खेत में ले गए थे।

बोरी में ईंट भरकर केतकी के कमर में बांधकर पुराने कुएं में फेंक दिया था। थानाध्यक्ष राजेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि युवती की मौत का मामला ग्रामीणों की मदद से सुलझा है। ग्रामीणों की सूचनाओं के आधार पर पूरे मामले का खुलासा हो सकेगा।

शव को फंदे से उतारने के बाद पिता भज्जी और भाई लालजी असमंजस में थे कि अब वह क्या करें। वह पुलिस को सूचना दें या शव का अंतिम संस्कार कर दें। समाज की बदनामी के डर से शव को गायब करने की सोची। दो दिन बाद 12 फरवरी को शव को लालजी अपने पिता के साथ बाइक पर रखकर कुएं में फेंकने पहुंचे थे। शव को दो दिन तक घर में तखत के नीचे बिस्तर में बांधकर रखा था। पुलिस ने मृतका के पिता को अफाई गांव स्थित एक होटल से पकड़ा है। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने एक रस्सी का टुकड़ा, एक चटाई, चादर, चाकू, फंदा लगाने में इस्तेमाल साड़ी के टुकड़े, एक कथरी, बोरी, ईंट के टुकड़े बरामद किए हैं। सुल्तानपुर घोष के हसनपुर कसार की तरह ही सदर कोतवाली क्षेत्र में बोरी में शिक्षिका का शव उसके ही दरवाजे के सामने तालाब पर मिला था। परिजनों ने आरोप लगाया था कि उसकी बेटी को एक युवक साथ ले गया था।

इसके बाद हत्या कर वैन में भरकर शव दरवाजे पर फेंका है। शव बोरी में होने की वजह से डाक्टर को पोस्टमार्टम में भी संदेह पैदा हो गया था। गला कसकर हत्या की रिपोर्ट के आधार पर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। विवेचना और एक्सपर्ट की सलाह के बाद पुलिस हत्या को आत्महत्या में बदल सकी थी। आरोपी को क्लीन चिट मिली थी। विवेचना में सामने आया कि शिक्षिका घर आई थी। परिजनों की डांट से क्षुब्ध होकर फंदे से लटकी थी।

नहर में मिला वृद्ध महिला का शव, चार फरवरी को घर से हुई थी लापता

संवाददाता

फतेहपुर। फतेहपुर जिले के असोथर थाना क्षेत्र में एक अज्ञात बुजुर्ग महिला का शव निचली गंगा नहर में बह रहा था। ग्रामीणों की नजर पड़ी, तो पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर नहर से बाहर निकाला। महिला के कपड़े से मिला एक छोटा झोला भी मिला।

इसमें आधार कार्ड और बैंक पास बुक से पहचान करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। असोथर थाना क्षेत्र के बुधरामऊ व बेसडी पुल के बीच निचली गंगा नहर में एक अज्ञात महिला का शव बह कर जा रहा था। खेत में काम कर रहे लोगों ने जब शव को देखा, तो पुलिस को सूचना दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के मदद से शव को बाहर निकालकर कपड़े की तलाशी लिया, तो ब्लाउज में एक छोटा झोला मिला।

इसमें सद्गुरु नेत्र अस्पताल चित्रकूट लिखा था। झोले के अंदर एक बैंक पास बुक और आधार कार्ड बरामद होने पर महिला के शव का शिनाख्त चंद्रवती (80) के रूप हुई। पुलिस ने परिजनों को सूचना देते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस दौरान शव मिलने की खबर पर मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लगी रही। थाना प्रभारी विनोद मौर्या ने बताया कि निचली गंगा नहर में एक महिला का शव मिला है। महिला के कपड़े में एक छोटा झोला के अंदर आधार कार्ड और बैंक पासबुक से पहचान हो गई है। मृतक महिला के पति चंद्रिका निवासी हिराई खेड़ा नामामऊ, मौहर ने थाना बकेवर में पांच फरवरी को तहरीर दिया था कि उसकी चंद्रवती, जो कि मानसिक रूप से बीमार है और बाएं पैर से विकलांग भी है। चार फरवरी की रात 12 बजे घर से गायब हो गई है। इस मामले में बकेवर थाना में महिला का गुमशुदगी दर्ज है। महिला के परिजनों को सूचना भेज दिया गया है।

देहरी के बाहर पैर रखते ही गंदगी, पैरों में हो रहा फंगस

संवाददाता

फतेहपुर। शहर स्थित कांशीराम कालोनी में बदइंतजामी का खामियाजा यहां की 1200 से ज्यादा आबादी भुगत रही है। कालोनी में चौतरफा फैला कचरा, सड़कों में जलभराव से लोगों का जीना दुश्वार है। पानी में कचरा सड़ने से महिलाओं के पैरों में फंगस (संक्रमण) हो गया है। बाशिंदों ने संक्रमण फैलने के खतरे से जल्द निजात दिलाने की मांग की है। महर्षि विद्या मंदिर सीनियर सेकेंड्री स्कूल के पास कांशीराम कालोनी के 19 ब्लॉकों में कुल 238 आवासों को 14 जनवरी को आवंटन हुआ था। हैरत की बात यह है कि पिछले 14 वर्षों में कालोनी के कालोनी के डंपिंग सेंटरों से एक बार भी कूड़ा नहीं उठवाया गया। डंपिग सेंटर भर चुके हैं। साथ ही बाहर सड़क पर भरे पानी में कचरे के ढेर लगे हैं। बाशिंदे कई बार कचरा जलाकर खात्मा करते हैं। कालोनी की सभी सड़कों पर गंदगी का अंबार है। नालियां सिल्ट से पटी पड़ी हैं। ऐसे समय में जलनिकासी के लिए बना नाला कुछ लोगों ने मिट्टी डाल कर बंद कर दिया है। जलनिकास पूरी तरह से बाधित है। हर सड़क में भरे पानी में गंदगी तैर रही है। इससे चारों ओर बदबू फैल रही है। सड़कों पर गंदा पानी भरा होने के कारण महिलाओं के पानी से आने–जाने के कारण उनके पैरों में फंगस हो गया है। कालोनी निवासी नसीमा और शांति ने बताया कि दवा करने के बावजूद फंगस ठीक नहीं हो रहा है। कालोनी में करीब 1200 से ज्यादा लोग रहते हैं।

उ0प्र0 में ईको पर्यटन विकास की परियोजनाओं के लिए सुनहरा अवसर : जयवीर सिंह

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह तथा वन एवं पर्यावरण मंत्री डा0 अरूण कुमार सक्सेना ने फिरोजाबाद में 10 ईको पर्यटन विकास की परियोजनाओं का किया लोकार्पण

संवाददाता

लखनऊ। ईको पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आज फिरोजाबाद में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह एवं पर्यावरण जन्तु उद्यान तथा जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डा0 अरूण कुमार सक्सेना ने संयुक्त रूप से रायबरेली, पीलीभीत तथा लखीमपुर सहित 10 परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इसमें रायबरेली स्थित समसपुर पक्षी बिहार, इंदिरा गांधी स्मारक वानस्पतिक उद्यान, पीलीभीत टाइगर रिजर्व शामिल हैं।

लोकार्पण के अवसर पर पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि उ0प्र0 घरेलू पर्यटन के मामले में देश में पहले स्थान पर है। अयोध्या में श्रीराम लला के मंदिर के लोकार्पण के बाद उ0प्र0 वैश्विक पर्यटन स्थलों में अपना नाम शामिल किया है। राज्य सरकार का प्रयास है कि विदेशों से आने वाले पर्यटकों के मामलों में भी उ0प्र0 पहले स्थान पर हो। इसके लिए बेहतर कनेक्टिविटी एवं उच्च स्तरीय अवस्थापना सुविधायें उपलब्ध करायी गयी हैं। पर्यटन मंत्री ने कहा कि यमुना नदी के तट पर स्थित रपड़ी एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है। यहां पर्यटक सुविधाओं के विकास के बाद बड़ी संख्या में पर्यटकों का आगमन होगा। उन्होंने कहा कि रपड़ी से बटेश्वर, बटेश्वर से आगरा, आगरा से मथुरा और मथुरा से गोकुल तक वाटर क्रूज चलाने की संभावनाओं को तलाशा जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब तक बड़ी नदियों में जहां जहां क्रूज का संचालन शुरू किया गया है। वहॉं अप्रत्याशित सफलता प्राप्त हुई है। जयवीर सिंह ने कहा कि फिरोजाबाद की शिकोहाबाद तहसील स्थित रपड़ी वन क्षेत्र का पर्यटन विकास, बहराइच जिले की तहसील मिहीपुरवा स्थित कतर्नियाघाट वन्य जीव विहार में साइनेज बोर्ड का कार्य, सोनभद्र जिले में हाथीनाला बायोडाइवर्सिटी हॉट स्पॉट का पर्यटन विकास, लखीमपुर खीरी में दक्षिणी खीरी वन प्रभाग के मोहम्मदी रेंज में पर्यटन विकास, रायबरेली जिले में समसपुर पक्षी विहार तथा इंदिरा गांधी स्मारक वानस्पतिक उद्यान का पर्यटन विकास, पीलीभीत टाइगर रिजर्व का पर्यटन विकास, वाराणसी में काशी वन्य प्रभाग रामनगर के आधीन और वाटांड का पर्यटन विकास, आगरा जिले में सुर सरोवर पक्षी विहार कीठम का पर्यटन विकास और बिजनौर जनपद स्थित अमानगढ़ टाइगर रिजर्व का पर्यटन विकास संबंधी परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया है। जलवायु परिवर्तन मंत्री डा0 अरूण कुमार सक्सेना ने कहा कि पर्यटन के मामले में उ0प्र0 लगातार प्रगति कर रहा है। यह प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। वन विभाग पर्यटन स्थलों के विकास के लिए हरसंभव सहयोग के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि पर्यटकों के आगमन को देखते हुए उच्चस्तरीय पर्यटक सुविधाओं के सृजन तथा पर्यटकों के अनुभवों को बेहतर करने के उद्देश्य से ईको पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं के सृजन के साथ ही पर्यटन स्थलों का विकास व सौन्दर्यीकरण का कार्य कराया जा रहा है। वर्ष 2022–23 में 19 ईको टूरिज्म परियोजनायें स्वीकृत की गयी थी। उन्होंने कहा कि ईको पर्यटन बढ़ने से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

ताज महोत्सव में 17 से 27 फरवरी तक देखने को मिलेगी संस्कृति और कला की झलक

संवाददाता

लखनऊ। यमुना नदी के तट पर बसा आगरा का नाम जब भी आता है, तो दिमाग में पहला नाम ताजमहल का आता है। विश्व के सात अजूबों में शामिल इस आकर्षण को देखने के लिए देश–दुनिया से बड़ी संख्या में लोग आगरा भ्रमण पर आते हैं। हर वर्ष लगने वाला 10 दिवसीय ताज महोत्सव आगरा में बहुप्रतीक्षित कार्यक्रमों में से एक है, जिसमें देश और विदेश से पर्यटक आते हैं। बीते वर्षों से जरा हटकर इस बार ताज महोत्सव में लोगों को भारत की विविध कला, संस्कृति और शिल्प की झलक देखने को मिलेगी। इस सम्पूर्ण कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण संबंधी विभिन्न गतिविधियों का बढ़ावा देने का प्रयास किया जायेगा।

यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ वर्षों से ताज महोत्सव यहां की रौनक में चार–चांद लगा रहा है। 17 फरवरी से शुरू होने वाले इस भव्य आयोजन में नारी सशक्तिकरण की मिसाल देखने को मिलेगी। यहां पहली बार पारंपरिक पारिधान दौड़, बाइक रैली, हॉट एयर बलून और काइट फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। इसके साथ ही यमुना महाआरती और पुष्प प्रदर्शनी भी महोत्सव का आकर्षण होंगे।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि संस्कृति और समृद्धि थीम पर 17 से 27 फरवरी पर तक आयोजित ताज महोत्सव से एक दिन पूर्व 16 फरवरी को पारंपरिक पारिधान दौड़ अटल उद्यान सेल्फी पॉइंट से शिल्पग्राम तक हुई, जिसमें लगभग ढाई सौ लोगों ने हिस्सा लिया। इसमें महिलाओं की भागीदारी अधिक रही। वहीं 17 फरवरी को शाम 8 बजे से सुर सदन, संजय पैलस आगरा में मुशायरे का आयोजन होगा।

इसमें वसीम बरेलवी, मुमताज नसीम और अल्मश अब्बास जैसे नामी शायर अपनी नज्म पेश करेंगे। जयवीर सिंह ने बताया कि 17 से 27 फरवरी तक इस महोत्सव में देश के सभी कोनों से कलाकार अपनी शिल्प कलाओं और कलाकृतियों का प्रदर्शन करेंगे। इसके साथ ही स्वाद के शौकीनों को स्वादिष्ट व्यंजन अपनी ओर खींचेंगे। शाम को खुशनुमा बनाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों में देश विदेश के कई मशहूर व स्थानीय कलाकार अपनी प्रस्तुति से लोगों को आनंदित करेंगे। 18 फरवरी को हॉट एयर बलूनिंग के साथ यमुना आरती का भी आयोजन होगा। 19 फरवरी को दि ताज आगरा बाइक रैली, आई लव आगरा सेल्फी पॉइंट से अटल उद्यान तक निकलेगी।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि महोत्सव में 18 व 19 फरवरी को सुर सरोवर पर सुबह साढ़े सात बजे तक बर्ड वाचिंग इवेंट का आयोजन किया गया है।

यहां पेंटेड स्टार्क, इंडियन कार्मोरेंट, लेसर कार्मोरेंट, नादर्न शोवलर, ब्लैक हेडेड एंड रेड हेडेड नेप्ड आइबिस आदि पक्षियों को देखने का मौका मिलेगा।

वहीं 25 व 26 फरवरी को ग्यारह सीढ़ी पार्क में काइट फेस्टिवल का अयोजन होगा। 24 व 25 फरवरी को ताज व्यू गार्डन में पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा।

अकाउंट फ्रीज होने के विरोध में उतरे कांग्रेसी

संवाददाता

लखनऊ। आई.टी. विभाग द्वारा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस एवं भारतीय युवा कांग्रेस का एकाउण्ट फ्रीज किये जाने के विरोध में आज यहां राजधानी लखनऊ में उ0प्र0 युवा कांग्रेस मध्य जोन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया तथा प्रधानमंत्री का पुतला फूंकने के लिए जाते समय पुलिस बल द्वारा जबरिया पुतला छीनने का प्रयास किया गया जिसमें युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं एवं पुलिस बल में झड़प हुई। युवा कांग्रेस जनों ने प्रधानमंत्री और केन्द्र सरकार की कांग्रेस पार्टी के प्रति राजनीतिक द्वेष में की जा रही अलोकतांत्रिक कार्यवाही के विरोध में जमकर नारे लगाये। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय से अंकित तिवारी के नेतृत्व में तमाम युवा कांग्रेस कार्यकर्ता हाथ में युवा कांग्रेस का झण्डा लेकर विधानसभा की ओर निकले जिन्हें रास्ते में पुलिस बल द्वारा जबरन रोकने का प्रयास किया गया तथा पुतला छीनने का प्रयास किया गया। इस मौके पर अंकित तिवारी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आगामी लोकसभा चुनाव में अपनी संभावित हार और जननायक श्री राहुल गांधी जी के भारत जोड़ो न्याय यात्रा को आम जनता के मिल रहे व्यापक जनसमर्थन से घबरा गयी है और अलोकतांत्रिक कदम उठाने के लिए संवैधानिक संस्थाओं का दुरूपयोग करने में जुटी है युवा कांग्रेसजन भाजपा के किसी भी कुत्सित प्रयास का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार हैं।

संक्षिप्त समाचार

त्वरित आथिक विकास योजना के अन्तर्गत अमेठी, जौनपुर एवं गोरखपुर हेतु 189.42 लाख रुपये मंजूर

संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष 2023–24 में त्वरित आर्थिक विकास योजना के अन्तर्गत जनपद अमेठी, जौनपुर एवं एवं गोरखपुर में सड़क निर्माण से संबंधित 06 कार्यों हेतु कुल 189.42 लाख रुपये मंजूर किये हैं। मंजूर की गयी धनराशि संबंधित जनपदों के जिलाधिकारी के निवर्तन पर रखी गयी है। नियोजन विभाग ने इस संबंध में आवश्यक आदेश जारी कर दिये हैं। आदेशानुसार जनपद अमेठी में सड़क निर्माण से संबंधित 04 कार्यों हेतु 60.17 लाख रुपये, जनपद जौनपुर में सड़क निर्माण से संबंधित एक कार्य हेतु 101.25 लाख रुपये तथा जनपद गोरखपुर में सड़क निर्माण से संबंधित एक कार्य हेतु 28 लाख रुपये मंजूर किये गये हैं।

पूर्वान्चल विकास निधि के अन्तर्गत बहराइच की 08 परियोजनाओं हेतु 1060.07 लाख रुपये मंजूर

संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष 2023–24 में पूर्वान्चल विकास निधि के अन्तर्गत जनपद बहराइच की 08 परियोजनाओं के क्रियान्वयन हेतु 1060.07 लाख रुपये मंजूर किये हैं। मंजूर की गयी धनराशि जनपद बहराइच के मुख्य विकास अधिकारी के निवर्तन पर रखी गयी है। नियोजन विभाग ने इस संबंध में आवश्यक शासनादेश जारी कर दिये हैं। शासनादेश के अनुसार मंजूर की गयी धनराशि से बहराइच के विभिन्न क्षेत्रों में सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य, मिसिंग भाग का निर्माण कार्य तथा सम्पर्क मार्ग का नवनिर्माण कार्य कराया जायेगा। शासनादेश में निर्देश दिये गये हैं कि यह धनराशि केवल स्वीकृत परियोजना पर ही मानक विशिष्टियों के अनुरूप व्यय की जायेगी तथा इसका उपयोग अन्य किसी प्रयोजन के लिए नहीं किया जायेगा। इससे अलग व्यय वित्तीय अनियमितता होगी, जिसका सम्पूर्ण दायित्व मुख्य विकास अधिकारी का होगा।

बाल श्रम से मुक्त कराए गए बच्चों के लिए हर जिले में बाल गृह खोलने का प्रस्ताव उपलब्ध कराया जाय –प्रमुख सचिव श्रम

संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के प्रमुख सचिव श्रम अनिल कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में आगामी 05 वर्षो में प्रदेश को पूर्ण रूप से बाल श्रम मुक्त कराया जाना है। उन्होंने कहा कि बाल श्रम बहुत बड़ी चुनौती है, जिसके लिए समाज के हर वर्ग को मिल कर समाधान ढूंढना होगा। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य और राष्ट्र निर्माता है। इसलिए बालश्रम उन्मूलन पूर्णतया आवश्यक है। अनिल कुमार आज विधान भवन स्थित तिलक हाल में बाल श्रम उन्मूलन एवं पुनर्वासन विषय पर राज्य स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। प्रमुख सचिव ने कहा कि यह समस्या केवल बच्चों तक सीमित नहीं है, बल्कि उसके परिवार को भी बाहर निकालने के लिए ऐसे प्रयास किये जायें, जिससे उसके परिवार को लाभान्वित किया जा सकता है। इससे उस बच्चे के परिवार की आय के स्रोत बढ़ेंगे और बच्चों को बाल श्रम से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने कहा बाल श्रम को खत्म करने के लिए विभिन्न विभागों को सहयोग करना होगा, जिससे उन विभागों में चल रही योजनाओं से बच्चे के परिवार की आय बढ़ाई जा सके। प्रमुख सचिव ने निर्देश दिए कि प्रदेश को आगामी 5 वर्षों में बाल श्रम मुक्त कराने हेतु विभिन्न कार्यवाहियों में तेजी लाई जाए। बाल श्रम से मुक्त कराए गए बच्चों के लिए हर जिले में बाल गृह खोलने का प्रस्ताव उपलब्ध कराया जाए। बैठक में राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि चिन्हित बाल श्रमिकां का आयु परीक्षण 24 घंटे में करा लिया जाय। बैठक में बाल श्रम रेस्क्यू में आ रही समस्यायों पर भी चर्चा की गई, जिस पर प्रमुख सचिव द्वारा शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए गए। बैठक में प्रदेश के विभिन्न विभागों के अधिकारी गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि, यूनिसेफ प्रतिनिधि, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय भारत सरकार के प्रतिनिधि और श्रम विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

20 प्रतिशत महिला होमगार्ड्स की भी भागीदारी रहेगी : धर्मवीर प्रजापति

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कारागार एवं होमगार्ड्स राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मवीर प्रजापति ने बताया कि मुख्यमंत्री के आपदाओं से शून्य जनहानि के संकल्प को पूर्ण करने में होमगार्ड्स भी महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। इसके लिए विभाग द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के माध्यम से राज्य आपदा मोचन बल द्वारा होमगाईस का प्रशिक्षण प्रारम्भ कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि दैवीय आपदाओं से सबसे ज्यादा प्रभावित 48 जिलों से 100–100 होमगाईस चिन्हित किया गया है। जिसमें 20 प्रतिशत महिला होमगार्ड्स की भी भागीदारी रहेगी। उन्होंने बताया कि होमगार्ड्स का यह आपदा प्रशिक्षण इसी वर्ष फरवरी से आरम्भ होकर 09 बैचों में जून, 2024 तक पूर्ण कर लिया जायेगा। उन्होंने बताया कि विशेष रूप से प्रशिक्षित होमगार्ड्स को इमरजेंसी रिस्पान्डर किट उपलब्ध करायी जायेगी, जिसमें लाइफ जैकेट, सोलर टार्च, सेफ्टी ग्लब्स, पाकेट नाइफ, फर्स्टएड किट, लाइटर, पानी की बोतल, सीटी, मच्छरदानी, रेन कोट, गम बूट, सेफ्टी गागल्स, सेफ्टी हेलमेट एवं टी शर्ट आदि उपलब्ध रहेगी। कहा कि उत्तर प्रदेश होमगार्ड्स के जवान जहां एक ओर पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रहे है, वहीं दूसरी ओर सामाजिक सरोकारों के अन्तर्गत वृहद वृक्षारोपण एवं जल संरक्षण में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है।

सम्पादकीय

आप के साथ नहीं बन रही बात

आप के साथ नहीं बन रही बातकांग्रेस पार्टी ने भी अब आम आदमी पार्टी से दूरी बनानी शुरू कर दी है क्योंकि दोनों पार्टियों के बीच सीट बंटवारे की बात नहीं बन रही है। लेकिन तालमेल नहीं होने का एकमात्र कारण यही नहीं है कि दोनों में सीट बंटवारा फाइनल नहीं हो पाया है। इसके अलावा एक कारण राजनीति है और दूसरा वैचारिक है। सबसे पहला कारण तो आम आदमी पार्टी की ज्यादा सीटों पर लड़ने और अलग अलग राज्यों में लड़ कर कांग्रेस की मदद से अपना आधार बड़ा करने की है। इसी योजना के तहत अरविंद केजरीवाल की पार्टी ने गुजरात और असम में उम्मीदवार की घोषणा कर दी। उसके बाद खुद केजरीवाल ने पहले पंजाब में सभी 13 सीटों पर लड़ने का ऐलान किया और उसके बाद दिल्ली में भी सभी सात सीटों पर लड़ने का संकेत दिया। कहा जा रहा है कि जल्दी ही केजरीवाल की पार्टी हरियाणा और गोवा में भी उम्मीदवार घोषित करेगी।

कांग्रेस के जानकार सूत्रों का कहना है कि पार्टी की अलग अलग राज्य इकाइयों और नेशनल एलायंस कमेटी ने पार्टी नेतृत्व को केजरीवाल की रणनीति के बारे में आगाह किया। कांग्रेस उनसे तालमेल में अपना राजनीतिक नुकसान देख रही है। पार्टी के नेताओं का कहना है कि जहां केजरीवाल मजबूत हैं वहां उनकी मदद के बावजूद कांग्रेस को बहुत फायदा नहीं होना है। लेकिन जहां केजरीवाल की पार्टी का वजूद नहीं है वहां अगर कांग्रेस ने उनके लिए सीटें छोड़ीं तो वहां आम आदमी पार्टी का आधार मजबूत होगा। मिसाल के तौर पर असम में या हरियाणा में कांग्रेस तालमेल करके लड़ेगी तो बेशक आप को दो–तीन सीट ही मिले लड़ने के लिए लेकिन इन दोनों राज्यों में उसका आधार मजबूत होगा। ध्यान रहे केजरीवाल हरियाणा के रहने वाले हैं लेकिन तमाम प्रयास के बावजूद पिछले 12 साल में वे अपने गृह राज्य में पैर रखने तक की जगह नहीं बना पाए हैं। तभी वे कांग्रेस की मदद से जमने की कोशिश कर रहे हैं।

कांग्रेस के जानकार नेताओं का कहना है कि अगर केजरीवाल दिल्ली में कांग्रेस के लिए सीट छोड़ते हैं तभी कांग्रेस को कोई फायदा होगा। इसके अलावा किसी भी राज्य में दोनों के साथ मिल कर लड़ने का फायदा सिर्फ और सिर्फ केजरीवाल को होगा। कांग्रेस के एक नेता ने अनौपचारिक बातचीत में कहा कि दिल्ली में जब कांग्रेस मजबूत थी तब उसने केजरीवाल को समर्थन दिया था, जिसके बाद कांग्रेस का वोट उनके साथ चला गया और कांग्रेस जीरो पर गई। अब केजरीवाल मजबूत हैं और अगर उनके समर्थन से कांग्रेस लड़ती है तो वह अपना कुछ खोया हुआ वोट वापस हासिल कर सकती है।

राजनीतिक पहलू के अलावा एक वैचारिक पहलू भी है, जिसे लेकर कांग्रेस के नेता आशंकित भी हैं और अपने लिए संभावना भी देख रहे हैं। गौरतलब है कि केजरीवाल की पार्टी ने राममंदिर कार्यक्रम के दिन यानी 22 जनवरी को पूरी दिल्ली में सुंदरकांड का पाठ कराया था और अब हर महीने के पहले मंगलवार को इसके आयोजन का ऐलान किया है। इस बीच केजरीवाल पूरे परिवार के साथ अयोध्या दर्शन के लिए भी गए हैं। वे साथ में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को भी ले गए हैं। कांग्रेस को लग रहा है कि भाजपा जैसी ही राजनीति करने से मुस्लिम मतदाता केजरीवाल का साथ छोड़ सकते हैं और फिर कांग्रेस की ओर वापस लौट सकते हैं। इसलिए भी कांग्रेस के नेता अलग लड़ने की संभावना पर विचार कर रहे हैं।

क्यों किसानों की मांगे नहीं मानते?

अजीत द्विवेदी

ऐसा लग रहा है कि केंद्र सरकार ने एक साल तक चले किसान आंदोलन का सबक भुला दिया है। तभी वह एक बार फिर किसान आंदोलन को रोकने और किसानों को दबाने के लिए उन्हीं उपायों का सहारा ले रही है, जिनका इस्तेमाल 2020–21 के किसान आंदोलन के समय किया गया था। तब किसानों

को दिल्ली कूच करने से रोकने के लिए रास्ते बंद किए गए। फोन और इंटरनेट पर पाबंदी लगाई गई। किसानों को बदनाम करने के लिए एक पूरा इकोसिस्टम विकसित किया गया, जिसने किसानों और उनसे सहानुभूति रखने वालों को देशद्रोही ठहराया। किसानों को विदेश से फंडिंग मिलने और भारत विरोधी टूलकिट से मदद मिलने की बातें प्रचारित करके उनको बदनाम करने का प्रयास किया गया। इन सबका कुल जमा नतीजा यह था कि किसान एक साल तक सड़क पर लड़ते रहे, जिसमें सात सौ किसानों की जान गई और अंत में केंद्र सरकार को तीनों कृषि कानून वापस लेने पड़े।

जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए तीनों कृषि कानून वापस लेने का ऐलान किया तब ऐसा लगा था कि सरकार को सबक मिल गया है। सरकार ने समझ लिया है कि किसानों से टकराने या उन्हें आजमाने का कोई मतलब नहीं है। लेकिन एक बार फिर किसान आंदोलन पर उतरे हैं तो वही सारी तिकड़में आजमाई जा रही हैं। किसानों से दिखावे की बातचीत हुई है, जैसी बातचीत तब होती थी। किसान नेताओं के ट्विटर हैंडल बंद कराए गए हैं। पंजाब से लगती हरियाणा की सीमा पर ऐसी बाड़ेबंदी की गई है, जैसी भारत पाकिस्तान की सीमा पर नहीं है। सड़कों पर कंक्रीट की दीवारें खड़ी कर दी गई हैं। लोहे की बड़ी बड़ी कीलें सड़कों पर लगाई गई हैं। कंटेनर लगा कर सड़कों को बंद किया गया है। किसानों के ऊपर ड्रोन से आंसू गैस के गोले छोड़े जा रहे हैं और अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है। दिल्ली की सीमा भी चारों तरफ से बंद कर दी गई है।

सोचें, किसान ऐसा क्या कर रहे हैं कि उनके लिए इस तरह से उपाय करने की जरुरत है? किसान उन्हीं मांगों को तो दोहरा रहे हैं, जिनको सरकार ने नवंबर 2021 में मान लिया था। उस समय सरकार ने किसानों से कई वादे किए थे लेकिन एक बार आंदोलन खत्म होने के बाद जब किसानों की मांगें पूरी करने की बारी आई तो टालमटोल का दौर शुरू हो गया। न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी को कानूनी दर्जा देने की किसानों की मांग पर एक कमेटी बना दी गई। कमेटी की रिपोर्ट का क्या हुआ किसी को पता नहीं है लेकिन इतना पता है कि किसान सरकार की पहल से संतुष्ट नहीं हैं और न सहमत हैं। तभी एक बार फिर उनको उसी मांग के लिए सड़क पर उतरना पड़ा है, जिसे मानने का वादा सरकार ने दो साल पहले किया था।

किसान चाहते हैं कि न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी दर्जा दिया जाए। इसके जवाब में सरकार और इसके इकोसिस्टम की ओर से समझाया जाता है कि अब तो निजी कारोबारी एमएसपी से ज्यादा कीमत पर अनाज खरीद रहे हैं। इसके आंकड़े भी पेश किए जाते हैं, जिसमें बताया जाता है कि कहां निजी कारोबारियों ने एमएसपी से कितनी ज्यादा कीमत पर अनाज की खरीद की, उस कारोबारी ने किसानों को कितनी सुविधाएं दीं और उसके भुगतान का सिस्टम कितना अच्छा है। सवाल है कि जब खुले बाजार में एमएसपी से ज्यादा कीमत पर अनाज की खरीद फरोख्त हो रही है किसान सरकार से ज्यादा निजी कारोबारियों को अनाज बेच रहे हैं तो सरकार को एमएसपी को कानूनी दर्जा देने में क्या दिक्कत है? सरकार कानूनी दर्जा दे दे कि एमएसपी से कम कीमत पर अनाज की खरीद फरोख्त गैरकानूनी होगी।

सरकार ऐसा नहीं कर रही है इसका मतलब है कि पूरे मामले में कोई पेंच है। असल में यह बाजार की तिकड़म होती है कि शुरू में आकर्षित करने के लिए बेहतर डील दो और उसके बाद मनमानी करो। किसानों को आशंका है कि निजी कारोबारियों के खरीद का सिस्टम इसी तरह से चलता रहा तो थोड़े समय में सरकारी खरीद का सिस्टम बिगड़ जाएगा और बंद कर दिया जाएगा। तब किसान कारोबारियों के हवाले हो जाएगा और फिर कारोबारी मनमानी करेंगे। अगर सरकार एमएसपी को कानूनी दर्जा दे देगी तो भले सरकारी खरीद का सिस्टम बंद हो जाए लेकिन बाजार में किसानों का अनाज अच्छी कीमत पर बिकेगा। तभी सरकार को किसानों की इस मांग पर ध्यान देना चाहिए।

एमएसपी से ही जुड़ी उनकी यह भी मांग है कि एमएसपी को कानूनी दर्जा देने के साथ साथ सभी उपज की एमएसपी तय हो और एमएसपी निर्धारित करने के लिए एमएस स्वामीनाथन फॉर्मूले का इस्तेमाल किया जाए। केंद्र सरकार ने हाल ही में एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न से सम्मानित किया है। निश्चित रूप से वे इस सम्मान के हकदार थे और बहुत पहले उनको यह सम्मान मिलना चाहिए था। देर से ही सही लेकिन उन्हें भारत रत्न मिल गया तो अब सरकार को उनकी ओर से तय किए गए फॉर्मूले पर एमएसपी तय करना चाहिए। सरकारें बार बार स्वामीनाथन फॉर्मूले की चर्चा भी करती हैं। लेकिन उसके हिसाब से किसानों को अनाज की कीमत नहीं देना चाहती हैं। सरकार को अब इस पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए कि खाद, बीज के दाम और सिंचाई में होने वाले खर्च के साथ साथ फसल को मंडी तक पहुंचाने के खर्च और किसान परिवार के सदस्यों की मजदूरी और जमीन के किराए को शामिल करके लागत तय हो और उसके ऊपर एक निश्चित मुनाफा तय किया जाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों कहा कि वे मानते हैं कि देश में चार जातियां हैं। उन्होंने महिला, गरीब और युवा के साथ चौथी जाति के तौर पर किसान को शामिल किया।

सवाल है कि क्या वे इस जाति के लिए कुछ सोच रहे हैं? उन्होंने 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने की घोषणा की थी। आज 2024 में सरकार और सरकारी दल भी यह दावा नहीं कर

एमएसपी से ही जुड़ी उनकी यह भी मांग है कि एमएसपी को कानूनी दर्जा देने के साथ साथ सभी उपज की एमएसपी तय हो और एमएसपी निर्धारित करने के लिए एमएस स्वामीनाथन फॉर्मूले का इस्तेमाल किया जाए। केंद्र सरकार ने हाल ही में एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न से सम्मानित किया है। निश्चित रूप से वे इस सम्मान के हकदार थे और बहुत पहले उनको यह सम्मान मिलना चाहिए था। देर से ही सही लेकिन उन्हें भारत रत्न मिल गया तो अब सरकार को उनकी ओर से तय किए गए फॉर्मूले पर एमएसपी तय करना चाहिए। सरकारें बार बार स्वामीनाथन फॉर्मूले की चर्चा भी करती हैं। लेकिन उसके हिसाब से किसानों को अनाज की कीमत नहीं देना चाहती हैं।

रहे हैं कि किसानों की आय दोगुनी हो गई। उलटे कृषि लागत बढ़ती गई है, जिससे किसान की कमाई खत्म हो गई है। अगर सचमुच प्रधानमंत्री किसानों को एक जाति मान रहे हैं और उनके कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं तो स्वामीनाथन फॉर्मूले के आधार पर सभी फसलों की एमएसपी तय की जाए और एमएसपी को कानूनी रूप दिया जाए ताकि किसी स्थिति में किसान के साथ धोखाधड़ी न हो पाए।

इसके अलावा किसान पेंशन की मांग भी कर रहे हैं और यह मांग भी जायज है। पिछले दिनों उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने किसानों के लिए तीन हजार रुपए पेंशन की योजना घोषित की। सरकार ने तय किया कि 60 साल से ऊपर की आयु के सीमांत व लघु किसानों को तीन हजार रुपए मासिक पेंशन मिलेगी। इसमें महिला और पुरुष दोनों किसान शामिल होंगे। केंद्र सरकार को इस मॉडल के बारे में सोचना चाहिए और राज्यवार किसानों की आमदनी के हिसाब से पेंशन की राशि तय करनी चाहिए। इस बार किसान आंदोलन इस मायने में अलग है कि इस बार इसमें मजदूरों को भी शामिल किया गया है और उनके लिए न्यूनतम मजदूरी की सीमा बढ़ाने के साथ साथ मनरेगा के तहत दो सौ दिन की रोजगार गारंटी की भी मांग की गई है।

यह ध्यान रखने की बात है कि किसानों की बड़ी आबादी अब कृषि मजदूर में तब्दील हो गई है इसलिए किसानों के साथ उनके हितों का जुड़ना एक स्वाभाविक घटनाक्रम है। सो, इस बार आंदोलन का दायरा बड़ा हो गया है। इसलिए सरकार को भी सोच बड़ी करके इस आंदोलन के बारे में विचार करना चाहिए।

राज्यसभा की सीट पर असर नहीं

मोहन सिंह

महाराष्ट्र में अशोक चव्हाण के कांग्रेस छोड़ने के बाद इस बात की चर्चा हो रही है कि राज्य में कांग्रेस को मिलने वाली राज्यसभा की एक सीट संकट में पड़ सकती है। असल में महाराष्ट्र में राज्यसभा की छह सीटें खाली हो रही हैं, जिनमें 104 विधायकों वाली भाजपा को तीन सीटें मिलेंगी। शिव सेना का दावा है कि उसके 39 विधायक हैं तो एक सीट मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के पास जाएगी और 41 विधायकों वाले अजित पवार यानी असली एनसीपी को एक सीट जाएगी। कांग्रेस के 43 विधायक हैं। इसलिए छठी सीट कांग्रेस को मिलेगी।

लेकिन कहा जा रहा है कि अशोक चव्हाण के जाने के बाद उनके साथ कई विधायक चले जाएंगे, जिससे कांग्रेस की एक सीट जीतने की उम्मीद खत्म हो जाएगी।

लेकिन असल में ऐसा नहीं है। पहला सवाल तो यही है कि क्या कांग्रेस के विधायक टूटेंगे या कुछ पूर्व विधायक आदि जाएंगे? ध्यान रहे 288 सदस्यों वाली विधानसभा में राज्यसभा की छह सीटों का मतलब है कि एक सीट जीतने के लिए 43 वोट की जरुरत होगी। इसका मतलब है कि भाजपा को तीसरी सीट जीतने के लिए 25 अतिरिक्त

वोट की जरुरत होगी। शिवसेना को छह और एनसीपी को चार अतिरिक्त वोट की जरुरत होगी। पांच सीट का मतलब है कि 215 वोट, जबकि सत्तापक्ष के पास सभी छोटी पार्टियों और निर्दलियों को मिला कर कुल 206 विधायक हैं। यानी तीनों पार्टियों को दूसरी ओर सेंधमारी करके पांचवीं सीट के लिए वोट का जुगाड़ करना होगा। दूसरी ओर कांग्रेस के 43 विधायकों के साथ साथ शिव सेना के उद्धव ठाकरे गुट के 17 और एनसीपी के शरद पवार गुट के 12 विधायक हैं। कुछ छोटी पार्टियों के साथ विपक्ष के पास 78 विधायक हैं। यानी विपक्ष का एक उम्मीदवार तो आसानी से जीतेगा अगर विपक्ष दूसरा उम्मीदवार उतार दे सत्तापक्ष को पांचवीं सीट के लिए बहुत पसीना बहाना होगा।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में महिला शक्ति वंदन की दिशा में निरंतर कार्य हो रहे : मयंकेश्वर शरण सिंह

संवाददाता

खैराबाद /सीतापुर। विकासखंड खैराबाद के परिसर में गुरुवार को महिलाओं का सम्मान समारोह शक्ति वंदन अभियान का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान दीन दयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी राज्यमंत्री मंत्री, संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण विभाग मयंकेश्वर शरण सिंह ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि वर्तमान में भारत वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है।

प्रधानमंत्री के वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाए जाने के संकल्प के विषय में बताते हुए प्रभारी मंत्री ने महिला शक्ति का आवाह्न करते हुए कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें। उन्होंने का कि राष्ट्र निर्माण में महिला शक्ति की बहुत बड़ी हिस्सेदारी है। प्रधान मंत्री जी का स्वप्न है कि आने वाले भारत में 2 करोड़ लखपती दीदी हों, इसके लिए भी सभी को प्रयास करना होगा। हर स्वयं सहायता समूह लखपती दीदी के रूप में उभरे एवं जनपद का इसमें प्रथम स्थान हो, इसके लिए भी सभी को प्रयास करना है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने विगत लगभग पौने दस वर्षो के कार्यकाल में देश की छोटी से छोटी समस्या को पहचानते हुए उसका समुचित निदान भी किया है।

प्रधानमंत्री जी की दूरगामी सोच का ही परिणाम है कि विगत पौने दस वर्षो के समय में पूरे देश में 14 करोड़ से अधिक शौचालय बनवाए गए, जो महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत अधिकांश आवास बहनों के नाम पर आवंटित कर उन्हे सशक्त किया गया। महिला आरक्षण बिल भी महिला शक्ति वंदन की दिशा में बड़ा कार्य है। उन्होंने कहा कि प्रदेश स्तर पर भी मुख्यमंत्री के नेतृत्व में महिला शक्ति वंदन की दिशा में निरंतर कार्य हो रहे हैं। उनकी सुरक्षा एवं विकास हेतु व्यापक स्तर पर प्रयास किया जा रहे हैं तथा महिलाओं संबंधी अपराध के मामलो में दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जा रही है। कार्यक्रम को भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला, दिनेश तिवारी, नीरज सिंह आदि ने भी संबोधित किया। इस दौरान अपर जिलाधिकारी नीतीश कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक प्रकाश कुमार मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 हरपाल सिंह, जिला विकास अधिकारी हरिशचंद्र प्रजापति सहित संबंधित अधिकारी, जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही।

परीक्षा कक्ष में प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाये: अनुज सिंह

संवाददाता

सीतापुर। जिलाधिकारी अनुज सिंह की अध्यक्षता में राजकीय इण्टर कालेज की कम्यूनिटी हाल में माध्यमिक शिक्षा परिषद उप्र प्रयागराज 22 फरवरी से 09 मार्च तक आयोजित होने वाली बोर्ड परीक्षा के संबंध बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक के दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि जनपद में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा वर्ष 2024 में कुल 146 परीक्षा केन्द्र निर्धारित है। कुल 146 परीक्षा केन्द्रों के सापेक्ष 19 राजकीय, 41 अशासकीय सहायता प्राप्त एवं 86 वित्तविहीन विद्यालयों को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। परीक्षा वर्ष 2024 में जनपद में कुल 92285 परीक्षार्थी पंजीकृत है, जिसमें हाईस्कूल के 50980 परीक्षार्थी एवं इण्टरमीडिएट के 41305 परीक्षार्थी सम्मिलित है।

जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय, में जनपद स्तरीय कंट्रोल रूमध्मॉनिटरिंग सेल स्थापित किया गया है, जिससे समस्त 146 परीक्षा केन्द्रों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग की जायेगी। समस्त 146 परीक्षा केन्द्रों पर केन्द्र व्यवस्थापकोंध्अतिरिक्त केन्द्र व्यवस्थापकों की तैनाती हो चुकी है।

समस्त परीक्षा केन्द्रों पर 146 स्टैटिक मजिस्ट्रेट, 14 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 07 जोनल मजिस्ट्रेट की तैनाती हो चुकी है। कक्ष निरीक्षकों के परिचय–पत्र प्रहिस्ताक्षरित किये जा रहे है। जनपद स्तर पर 07 सचल दल का गठन किया गया है। सादी उत्तर–पुस्तिकाएं समस्त परीक्षा केन्द्रों में भेजी जा चुकी है। दिनांक 19 को प्रश्न–पत्र संबंधित परीक्षा केन्द्रों हेतु बन्द वाहन से भेजे जायेंगे। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि परीक्षा शांतिपूर्ण एवं शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न हो यह सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कहा कि जोनल मजिस्ट्रेटध्सेक्टर मजिस्ट्रेटध्केन्द्र व्यवस्थापक एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट अपने–अपने कार्यों के दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ करेंगे। केन्द्रों पर जाकर व्यवस्था देख लें, यदि कोई मूलभूत सुविधाओं की कमी है उसे समय से पूर्ण करायें। उन्होंने कहा कि स्ट्रांग रूम के बाहर रजिस्टर रखा जाये ताकि जो भी लोग स्ट्रांग रूम में जाये उसमें अपना विवरण अंकित कर सकें। साथ ही स्ट्रांग रूम के अन्दर किसी का भी मोबाइल नहीं जायेगा, यह सुनिश्चित किया जाये। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि परीक्षा कक्ष में प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। उन्होंने कहा कि जहां तक हो सके बच्चों को पीने का पानी परीक्षा कक्ष के अन्दर ही उपलब्ध करा दिया जाये ताकि बच्चों का टाइम खराब न हो। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी केन्द्रों पर पानी, शौचालय आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये तथा परीक्षा अपने निर्धारित समयानुसार प्रारम्भ करा दी जाये। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी यह सुनिश्चित कर लें कि जिन परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी व वॉयस रिकार्डर को भी चेक कर लिया जाये। उन्होंने कहा बोर्ड की परीक्षाओं में किसी भी प्रकार की गलती क्षम्य नही है और इसका कोई समाधान नही है। परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की कमी होने पर उच्च अधिकारियों को अवगत करायें। परीक्षा में यदि किसी भी बच्चे की तबीयत खराब होती है तो जरूरत के अनुसार तुरन्त उसको नजदीकी स्वास्थ्य पर ले जायें। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी नीतीश कुमार सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक, केन्द्र व्यवस्थापक, सेक्टर मजिस्ट्रेट व स्टेटिक मजिस्ट्रेट सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सभासदों के हंगामे की भेंट चढ़ गयी बोर्ड बैठक

संवाददाता

महमूदाबाद/सीतापुर(आरएनएस)। नगर पालिका परिषद सभागार में विधायक की मौजूदगी में शुरू हुई बोर्ड बैठक सभासदों के हंगामे की भेंट चढ़ गई। सभासदों ने सफाई के मुद्दे पर बोर्ड बैठक में हंगामा किया। विधायक को भी सभासदों की नाराजगी का सामना करना पड़ा। सभासदों की नाराजगी देख विधायक ने सफाई नायक को मौके पर बुलाकर विधिवत सफाई के निर्देश दिये। नगर पालिका में स्थायी जेई की नियुक्ति न होने का मामला भी सदन में गूंजता रहा। महमूदाबाद नगर पालिका की बोर्ड बैठक पालिका सभागार में आयोजित हुई। बैठक में मौजूद विधायक आशा मौर्या ने कई प्रस्ताव रखे।

विधायक ने पालिका को आकस्मिक निधि तैयार करने की बात कही, जिससे जरूरत पड़ने पर छोटे और आवश्यक कार्य तत्काल करा लिये जाएं और नागरिकों को दिक्कतों का सामना न करना पड़े। विधायक ने कहा कि नगर के विकास के लिये शासन गंभीर है।

मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना के तहत महमूदाबाद में बजट आ रहा है और कार्य भी हो रहे हैं। हमारी प्राथमिकता सभी वार्डों का समुचित विकास करने की है।

नूरपुर सभासद सिराज, राना राशिद कामरीन, मुन्नी देवी ने नगर में सफाई का मुद्दा उठाया और कहा कि सभासदों से सफाई कर्मी सामंजस्य नहीं बनाते जिससे मोहल्लों की सफाई व्यवस्था बाधित है। सभासदों ने प्रस्ताव रखा कि सफाई कर्मियों का वेतन सभासदों की अनापत्ति प्रमाणपत्र प्राप्त करने के बाद ही जारी किया जाए। सभासद आसिफ सईद ने नगर पालिका में नियुक्ति जेई दीपमणि द्वारा की जा रही अनियमितताओं और विकास कार्यों के प्रति गंभीरता न दिखाने के आरोप लगाए और कहा कि जेई द्वारा विकास कार्यों में कोई दिलचस्पी नहीं ली जाती। वह फोन तक नहीं उठाते। सभासदों ने पालिका में स्थायी जेई की नियुक्ति का मामला शासन तक पहॅुचाने की बात कही। इसके अतिरिक्त टूट पड़े क्रास पत्थर, सभासदों के लिये पालिका में कक्ष, नगर पालिका के खुले पड़े स्वागत द्वारों को सही कराने, तिरंगा लाइटों को पुनः लगवाने का मुद्दा भी बोर्ड बैठक में उठाये गये। पालिकाध्यक्ष मोहम्मद अहमद ने सभासदों को आश्वस्त किया कि सभी प्रस्तावों पर काम किया जायेगा। उन्होने कहा कि विकास कार्यों को लेकर पालिका लगातार काम कर रही है। ईओ शैलेन्द्र दुबे ने बताया कि पालिका की बोर्ड बैठक शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुई है। सभी प्रस्ताव पास किये गये हैं।

लगभग 20 सभासद बोर्ड बैठक में उपस्थित रहे। सफाई के लिये एक सप्ताह तक युद्धस्तर पर अभियान चलाने के निर्देश दे दिये गये हैं। सफाई में कोताही नहीं की जायेगी। इस अवसर पर सभासद संघ अध्यक्ष चक्रसुदर्शन पाण्डेय, उमेश वर्मा, बीना गुप्ता, राना राशिद कामरीन, सैफ, इस्लाम, रामकुमार, संतोष मिश्र, प्रेमचन्द्र, कमर अली, अशोक आदि उपस्थित रहे। **विधायक का पारा चढ़ा :** पालिका में लगातार हंगामे को देख विधायक का पारा चढ़ गया। विधायक ने सभासदों को समझाते हुए कहा कि पालिका के सदन की एक गरिमा होती है। विकास की बात रखनी है तो तमीज से रखनी चाहिए ताकि बात समझ में आए। चिल्लाने और हंगामा करने से कोई बात नहीं बनेगी। आप एक जनप्रतिनिधि है और इस पद की गरिमा बनाना आपकी जिम्मेदारी है।

संदिग्ध हालत में विवाहिता ने की लगायी फांसी

संवाददाता

तंबौर/सीतापुर। क्षेत्र के एक गाँव मे बुधवार देर रात संदिग्ध हालत में एक विवाहिता द्वारा फाँसी लगाकर आत्महत्या कर ली गई जिसकी सूचना पर बृहस्पतिवार को मौके पर पहुंची मृतका की माँ ने ससुराल पक्ष पर दहेज के कारण मारकर लटका देने का आरोप लगाते हुए थाने पर तहरीर देकर मामला दर्ज कराया है ।पुलिस ने शव को सीलकर पीएम के लिए भेजा है । बुधवार देर रात क्षेत्र के ग्राम छतांगुर निवासी रघुनंदन की पत्नी कल्याणी 23 ने घर के अंदर कमरे में रस्सी के सहारे छत से लटककर जान दे दी ।परिजनों को जानकारी होने पर मायके पक्ष को सूचना दी गई ।सूचना पाकर मौके पर पहुंची रेउसा थाना क्षेत्र के ग्राम करसा निवासी मृतका की माँ तारा देवी ने थाने जाकर अपने दामाद रघुनंदन व उसकी माँ सास सरला सहित सरला के दो दामादों रेउसा निवासी कल्लू व दीपू चार लोगों पर दहेज हत्या का मामला दर्ज कर कार्यवाही करने की तहरीर दी है ।उसने कहा कि ढाई साल पहले उसने अपनी पुत्री कल्याणी की शादी हैसियत के अनुसार दहेज देकर की थी लेकिन बाद में दहेज की मांग की जाने लगी जिसे पूरा न कर पाने पर उसे मारकर लटका दिया। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर विजयेन्द्र सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर शव को पीएम के लिये भेजा गया है।

मोदी सरकार में नारी शक्ति को भरपूर सम्मान मिल रहा : आशा मौर्य

संवाददाता

महमूदाबाद/सीतापुर। विकास खंड कार्यालय के सामने बृहस्पतिवार को शक्ति वंदन अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस क्रम में नारी शक्ति संवाद के तहत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड विकास अधिकारी श्रीश गुप्ता ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा विधायक आशा मौर्य रहीं। शक्ति वंदन अभियान कार्यक्रम में आजीविका मिशन के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाली स्वयं सहायता समूह की लगभग एक सैकड़ा से अधिक महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। विधायक आशा मौर्य ने कहा भारतीय समाज में महिलाएं आत्मनिर्भर बनने की ओर निरंतर अग्रसर हो रही हैं। केंद्र सरकार द्वारा महिला कल्याण के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ धरातल पर दिखाई देने लग गया है। बीडीओ श्रीश गुप्ता ने कहा कि आज स्वयं सहायता समूह महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कारगर साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक महिला स्वयं सहायता समूह बनाकर नए भारत के निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए। मोदी सरकार में नारी शक्ति को भरपूर सम्मान मिल रहा है। इस मौके पर भाजपा विधायक आशा मौर्य, बीडीओ श्रीश गुप्ता सहित समस्त कर्मचारी और सैकड़ों महिलाएं उपस्थित रहीं।

पारिवारिक विवाद में के.डी सिंह बाबू का पुश्तैनी बंगला सीज

कोर्ट ने किया रिसीवर नियुक्त, स्मारक घोषित करने की उठी मांग

बाराबंक। देश के मशहूर हॉकी खिलाड़ी पदम्श्री केडी सिंह बाबू की सिविल लाइन स्थित कोठी को न्यायालय ने सील कर दिया। कोठी के पारिवारिक विवाद पर एसीजेएम 16 कोर्ट के जज जीशान मसूद के आदेश पर बृहस्पतिवार को कोठी में रह रहे लोगों से खाली कराकर सील कर दिया गया। फिलहाल उनकी कोठी की देखरेख के लिए रिसीवर नियुक्त किया गया है। इस मामले में के.डी सिंह बाबू के भतीजे राघवेंद्र सिंह के अनुसार ताऊ के बेटे और पत्नी ने अवैध रूप से कब्जा करा रखा था। कोर्ट कार्यवाही के दौरान सुरक्षा के मद्देनजर केडी सिंह मार्ग पर कई थानों की भारी पुलिस फोर्स तैनात रही। बता दें कि स्वर्गीय केडी सिंह बाबू का पूरा नाम कुंवर दिग्विजय सिंह था। उनकी ये हवेली अपनी शान–शौकत के लिए जिले में मशहूर थी।

यहां कभी केडी सिंह बाबू के सम्मान में इंटरनेशनल खिलाड़ियों के साथ देश के बड़े नेताओं का जमवाड़ा हुआ करता था लेकिन आज ये हवेली वीरान है। आपसी विवाद के बाद नीलामी की कगार पर है। मालूम हो कि के.डी सिंह बाबू की पुश्तैनी हवेली के बंटवारे को लेकर उनके उत्तराधिकारियों के बीच विवाद चल रहा था। इस संबंध में दिव्या शाही व तेज प्रताप सिंह की ओर से वर्ष 2006 में न्यायालय में वाद दाखिल किया गया था। कोर्ट में दाखिल वाद में 20 लोगों को विपक्षी पक्षकार भी बनाया गया था। 35241 वर्गफिट में बनी कोठी के वाद में कोर्ट ने पक्षकारों की आपसी सहमति के आधार पर 21 अप्रैल 2009 को आदेश पारित कर बिक्री कर दी थी। पक्षकारों में संपत्ति को विक्रय कर सभी को उनके हिस्से की धनराशि दिए जाने पर सहमति बनी थी।

इसके बाद कोर्ट द्वारा दिए गए ब्रिकी व आदेश अनुपालन के लिए कुंवर आनंद सिंह बनाम कुंवर उमेश सिंह आदि के नाम से एक वाद दाखिल किया गया था, जो कोर्ट पर लंबित चल रहा था। उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ ने 20 मार्च 2015 को अपने आदेश में इसे अतिशीघ्र निस्तारित करने का आदेश दिया था। वर्तमान समय में यह इजराय वाद एसीजेएम जीशान मसूद की अदालत में चल रहा था। कोर्ट ने बीते 31 जनवरी को इस संपत्ति को सील करने का आदेश दिया था। इसके लिए मुंसरिम रीडर विपिन कुमार सिंह को रिसीवर नियुक्त किया था। बृहस्पतिवार को रिसीवर के साथ सीओ डॉ. बीनू सिंह की अगुवाई में भारी पुलिस बल केडी सिंह बाबू की कोठी पहुंचा और उसे सील कर दिया गया।

कोठी बेचने के लिए हुआ था एग्रीमेंट: राघवेंद्र सिंह ने बताया कि 1910 में करीब 36 हजार स्क्वायर फीट की प्रापर्टी में ये कोठी बनाई गई थी। इस कोठी पर मेरे ताऊ के छोटे बेटे रविंद्र प्रताप सिंह और इनकी पत्नी बीना सिंह रह रही थी। लेकिन रविंद्र सिंह की 2010 में मौत होने के बाद बीना सिंह ने पूरी प्रापर्टी पर कब्जा कर लिया और कई किराएदारों को दे दिया। किराए पर दिए हवेली के अगले हिस्से में स्कूल संचालित है। कोर्ट कार्यवाही के दौरान मौजूद केडी सिंह बाबू के भतीजे राघवेंद्र सिंह ने बताया कि मेरे पिता सहित 6 भाई थे। इनमें कुंवर राजेंद्र सिंह, कुंवर भूपेंद्र सिंह, कुंवर सुखदेव सिंह, कुंवर नरेश सिंह, कुंवर दिग्विजय सिंह बाबू (केडी सिंह) और सबसे छोटे मेरे पिता कुंवर सुरेश सिंह थे। उन्होंने बताया कि 2006 परिवार के हमारे सभी भाइयों में एग्रीमेंट हुआ था कि हवेली बेच कर रुपये आपस में बांट लिया जाएगा। एक भाई बेचने से मुकर गए और फिर कोर्ट में मुकदमा शुरू हुआ था। **18 साल से चल रहा केस :** न्यायालय के आदेश पर किराए पर रह रहे लोगों से मशहूर हाकी खिलाड़ी केडी सिंह बाबू की हवेली के पिछले हिस्से में रह रहे किरायेदार से खाली करा कर सील कर दी। वहीं केडी सिंह बाबू के भतीजे राघवेंद्र सिंह ने बताया कि मुकदमें में एसीजेएम 16 कोर्ट के जज जीशान मसूद ने 31 जनवरी 2024 को सील करने के दिए थे, जिस आदेश पर न्यायालय ने गुरुवार को हवेली की सीलिंग करने की कार्यवाही की है। हवेली के अगले हिस्से में किराए पर संचालित (बालाजी का बचपन) स्कूल को कोर्ट ने 7 मार्च तक खाली करने के आदेश दिए हैं। उन्होंने बताया कि 18 साल बाद कोर्ट से मिली राहत मिली है। एग्रीमेंट के आधार पर कोर्ट से इस प्रापर्टी की नीलामी कराई जाएगी।

बेवफा बीवी से नाराज पति ने पत्नी की गर्दन काटकर की निर्मम हत्या

संवाददाता

बाराबंकी। थाना फतेहपुर अंतर्गत एक सिरफिरे पति ने पत्नी के अवैध संबंधो के शक से नाराज होकर उसकी बांके से गर्दन काटकर निर्मम हत्या कर दी। फिर पति एक हांथ में पत्नी की कटी हुई गर्दन और दूसरे हांथ में बांका लेकर बेखौफ पुलिस चैकी की तरफ चल पड़ा। यह नजारा जिसने देखा उसके रौंगटे खड़े हो गए। देखते–देखते पुरे गांव में हड़कंप मच गया। जिनकी सूचना पर पहुंची पुलिस ने सिरफिरे पति को रास्ते में ही पकड़ लिया। जिसके बाद भारी संख्या में पुलिस बल गांव में तैनात है। जोकि मामले की जांच में पड़ताल में जुटा हुआ है। जानकारी के मुताबिक थाना फतेहपुर के बसारा गांव निवासी अनिल कनौजिया अपनी पत्नी वंदना (24) के साथ गांव में रहता था।

जहां शुक्रवार सुबह पति–पत्नी के आपसी झगड़े की लड़ाई पड़ोसियों को सुनाई पड़ी। जिसमें वंदना के अचानक से चीखने व चिल्लाने पर आस–पास के लोग पहुंचे तो वहां का नजारा देख उनके होश उड़ गए।

यहां अनिल अपने एक हाथ में वंदना का कटा हुआ सिर पकड़े था और दूसरे हाथ में खून से लथपथ बांका लिए हुए था। फिर अनिल ऐसे ही नजदीकी पुलिस चैकी इसरौइली की ओर चल पड़ा। रास्ते में जो भी उसे देखा उसकी हालत बिगड़ जाती। इस भयावय स्थिति में अनिल रास्ते से गुजरते हुए ग्रामीणों से कहता रहा कि आज तो वंदना की ने हद हो गई। मेरा वंदना को लेकर प्रेम प्रसंग का शक सही निकला। उसके प्रेमी की चिठ्ठी मैंने देखी तो मैं अपने आप पर काबू नहीं कर पाया।

जिससे उसकी बांके से गला रेतकर हत्या कर दी है। फिलहाल गांव वालों की सूचना पर पुलिस को युवक को रास्ते में पकड़ लिया। इस खौफनाक घटनाक्रम को देखते हुए गांव में एसपी दिनेश कुमार सिंह के निर्देश पर तत्काल भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। जोकि पूरे घटनाक्रम की सघनता से जांच–पड़ताल करने जुटा हुआ है। वहीं घटना को लेकर एसपी दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके माता–पिता को बुलाया गया है। जिनके आने पर आरोपी से सघनता से पूछताछ की जाएगी।

जगजीवन साहेब के 354वें जन्मोत्सव पर उमड़ा भक्तों का सैलाब

संवाददाता

बाराबंकी। सन्त शिरोमणि समर्थ जगजीवन साहेब का 354वां जन्मोत्सव उनकी तपोस्थली पर श्रद्धा व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित सतनामी भक्तों ने जयकारों के साथ एक दूसरे पर अमीर गुलाल व फूल बरसाए। समर्थ जगजीवन साहेब की तपोभूमि कोटवाधाम में एक दिन पूर्व से भक्तों के आने का शुरू हुआ सिलसिला लगातार चलता रहा।

भोर पहर से ही मंदिर परिसर में जनसैलाब उमड़ पड़ा। ठीक 7 बजे से मंदिर परिसर में ढोल मंजीरा व अमीर गुलाल के साथ शुरू कार्यक्रम घंटो चलता रहा। इससे पूर्व श्रद्धालुओं ने पवित्र अभरन सरोवर में स्नान करके प्रसाद चढ़ाना व फेरी लगाने का सिलसिला शुरू कर दिया था।

स्वामी जी के जन्मोत्सव के अवसर पर बड़ी गद्दी के महंत नीलेन्द्र बख्श दास, महन्त विशाल दास, अमान दास, राजेश बक्श दास महंत खुटपुट दास सोनी दास, संजय दास, आदि महंतों के आश्रम पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु धागा बंधवा कर गुरु दीक्षा भी लिया। इस अवसर पर भक्तों में कढ़ी चावल का वितरण किया गया। श्रद्धालुओं ने बाबा के जन्मोत्सव में सम्मलित होकर अपने सुखी व समृद्ध जीवन की कामना की। सत्यनाम आश्रम व धर्मशालाओं में पूरा दिन भजन व सत्संग चलते रहे। इस अवसर पर बड़ी गद्दी व छोटी गद्दी के महंतो से हजारों लोग दीक्षा प्राप्त करके स्वामी जगजीवन दास साहेब द्वारा बताए गए सत्य मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। पूरा मेला क्षेत्र श्रद्धालुओं से खचाखच भरा हुआ है।

मेले में आए भक्तों में अपार उत्साह देखने को मिला। मेला परिसर में उमड़ा अपार जनसमूह को देखकर दुकानदारों के चेहरे खिल उठे। दरियाबाद संवादसूत्र के अनुसार समर्थ श्री जगजीवन साहब दास के जन्मोत्सव पर तपोस्थली कोटवाधाम बड़े बाबा के जयकारों से गूंज उठा। बाबा की समाधि स्थल पर माथा टेकने के लिए कई जिलों व गैर प्रान्त के लाखों भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। पुलिस को भीड़ नियंत्रित करने में पसीने छूटे। बड़े बाबा के जन्मोत्सव पर हर घर में उत्सव जैसा माहौल रहा।

वंचितों की मदद को उठे हाथ, कपड़ा बैंक ने जरूरतमंदों तक पहुंचाए कपड

संवाददाता

बाराबंकी। अशक्त और अभावग्रस्त की सहायता करना मानव धर्म का पहला अध्याय है। जिससे सबक लेकर जीवन में आने वाले उतार चढ़ाव में हम एक दूसरे के सहयोगी बनकर अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होते हैं। यह विचार धर्मेन्द्र कुमार पटेल अध्यक्ष भारत सेवा संस्थान ने कपड़ा बैंक द्वारा पटेल तिराहे पर आयोजित वितरण शिविर में व्यक्त किये। यह वितरण शिविर आँखें फाउंडेशन, भारत सेवा संस्थान एवं गुलज़ार फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में संपन्न हुआ। इस अवसर अवसर पर अध्यक्ष आंखें फाउंडेशन सदानंद वर्मा ने बताया कि सोशल एक्टिविस्ट प्रदीप सारंग व स्व. हरिप्रसाद वर्मा द्वारा स्थापित कपड़ा बैंक के माध्यम से हम

निरंतर कई वर्षो से जरूरतमंद लोगों तक कपड़े पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। कपड़ा बैंक का प्रयास है कि लोगों को ठंड के साथ अन्य मौसम में भी पहनने के लिए कपड़े उपलब्ध कराए जा सकें। शिविर प्रभारी सूरज सिंह गौर ने जानकारी दी है कि कपड़ा वितरण शिविर में निःशुल्क रूप से अपनी पसंद अनुसार जरूरत के कपड़ों का चयन कर जरूरतमंद महिला पुरुषों ने प्राप्त किये हैं।

सुरक्षा और सम्मान के साथ स्वावलंबी बनाने में जुटी सरकार : कमलेश

संवाददाता

बाराबंकी। भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा ने कहा कि सुरक्षा के बेहतर वातावरण के साथ समाज के प्रत्येक तबके की समृद्धि और खुशहाली ही भाजपा की डबल इंजन सरकार की गारंटी है और यही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी है। कहा कि इस गारंटी को पूरा करने के लिए सरकार पूर्णतया प्रतिबद्ध है।इतना ही नहीं प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार लोगों को सुरक्षा और सम्मान देने के साथ स्वावलंबी भी बना रही है। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की हकीकत परखने और योजनाओं के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए भाजपा द्वारा शुरू किए गए।

पुलिस ने लिखा मुकदमा, पीड़ित लगा रहा न्याय की गुहार

बिलग्राम इंस्पेक्टर पर अपनी जाति के लोगों बचाने का आरोप

संवाददाता

हरदोई। बिलग्राम। केंद्र से लेकर प्रदेश तक भाजपा की सरकार है सबका साथ सबका विकास का नारा है। सरकार के निर्देश है कि पीड़ित को हर स्थिति में न्याय दिया जाए लेकिन जिले की एक ऐसी कोतवाली जहां के इस वक्त अपनी जाति विशेष के लोगों को सीधे तौर पर गुंडई करने का दबी जुबान आश्वासन दे रहे हैं।

खेत में खड़ी मटर की फसल नुकसान कर रहे बच्चों को रोका तो दबंग परिजनों ने नाजायज कट्टे के बल पर पीड़ित परिवार को पीटा, पुलिस ने घटना के लिए किसान को बनाया आरोपित, परेशान पीड़ित पुलिस के उच्चाधिकारियों से लगा रहा न्याय की गुहार जनपद हरदोई की बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सदरियापुर का मामला।जनपद हरदोई की कोतवाली बिलग्राम क्षेत्र के गांव सदरियापुर में खेत में खड़ी मटर की फसल को कुछ शरारती बच्चों द्वारा नुकसान पहुंचाया जा रहा है। जिन्हें डांट डपटकर किसान द्वारा भगाया गया।

जिसकी सूचना बच्चों ने अपने परिजनों को दी।इस जरा सी बात को खुन्नस पाल बैठे दूसरे पक्ष के लोगों ने किसान के घर पर अवैध शस्त्रों के साथ लैस होकर धावा बोलकर पीड़ित परिवार को जानमाल की धमकी देकर मौके से मोबाईल फोन तक छीनकर फरार हो गए।पीड़ित ने मामले की शिकायत स्थानीय पुलिस थाने पर की लेकिन पुलिस ने असलहा लहराने वाले लोगों को क्लीनचिट देने में कोई कोताही नहीं बरती।पीड़ित व्यक्ति श्रीकांत दीक्षित पुत्र रामशंकर दीक्षित निवासी सदरियापुर ग्राम ने पुलिस के उच्चाधिकारी को शिकायती पत्र देते हुए बताया है कि दिनाँक 14 फरवरी 2024 को विपक्षियों में त्रिवेश पुत्र विश्राम, सियाराम पुत्र स्व0 बाबूराम,प्रमोद पुत्र स्व0 मेवाराम व उनके कुछ साथियों के हाथों में लाठी डंडे व नाजायज असलहा लेकर उसके घर मे घुसकर मारपीट की यहां तक घर की महिलाओं से जमकर अभ्रदता की।घटना का वीडियो बनाते हुए आरोपितों ने मोबाइल फोन छीन लिया।मामले की जानकारी व शिकायत दर्ज कराने के लिए जब श्रीकांत ने बिलग्राम पुलिस के समक्ष प्रस्तुत होकर घटना के आरोपितों को सज़ा दिलाने की गुहार लगाई तो पुलिस ने जांच के लिए एक दारोगा को जिम्मेदारी सौंपी जिसने मौके पर पहुंचकर कोई कार्यवाई नहीं कर सका।वहीं विशिष्ट सूत्रों के मुताबिक घटना के आरोपितों में शामिल एक व्यक्ति पर सरकारी कर्मचारी पर मारपीट का मामला पूर्व में दर्ज है।शायद यही सोचकर दोबारा कहीं वह इस बार बिलग्राम पुलिस को ही न पीट दे इसलिए कोतवाली पुलिस ने खुद को सुरक्षित रखने के लिए किसान पर ही मामला दर्ज कर उसे घटना कारित करने का आरोपित बना दिया।जिसकी सूचना मिलते ही पीड़ित किसान न्याय पाने के लिए पुलिस के उच्चाधिकारियों से न्याय की गुहार लगाने हुए चक्कर काटने को विवश है।

जलभराव के ऊपर मलवा डालकर अस्थायी मार्ग बना

संवाददाता

हरदोई। हरदोई नगर पालिका का वार्ड नंबर 5 बीते दिनों चर्चा का विषय बना हुआ।वार्ड नंबर 5 के मोहल्ला सैयापुरवा की कुछ गलियाँ नाला बन चुकी है जिसके बाद से वहा के लोगो का रहना दुश्वार हो गया था। जिसको लेकर वार्ड निवासी और नगर के युवा समाजसेवी कर्ण सिंह राणा ने आवाज़ उठाइ थी जिसके बाद जिम्मेदारो से बार बार सम्पर्क करने के बाद उसी गली में रहने वाली बिना पिता की बिटिया का विवाह होने के मद्देनज़र जिम्मेदारो द्वारा अस्थाई रूप से आवागमन हेतु मार्ग बना दिया गया।

जिसको लेकर युवा समाजसेवी कर्ण ने कहा कि मेरी इस मुहिम को समाचार पत्रों में प्रमुखता से स्थान देने के लिए मीडिया का आभार तथा जिम्मेदारो द्वारा बिटिया कि समस्या को समझते हुए अस्थाई हल देने के लिए भी आभार।समाजसेवी ने कहा कि हम आशा करते है कि जल्द ही इस समस्या का स्थाई समाधान किया जायेगा एवं उन्होंने बताया कि वो आगे भी ज़रूरत पड़ने पर समय समय पर जन समस्याओं के लिए संघर्ष करते रहेंगे।बिटिया ने जताया समाजसेवी का आभार वार्ड नंबर 5 सैया पुरवा की

रहने वाली बिटिया जिसकी शादी के चलते समाजसेवी ने जल्द ही अस्थाई रूप से समस्या के समाधान की मुहिम को शुरू किया था, अस्थाई रूप से समाधान मिलने के बाद बिटिया शालू ने बताया कि कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियो से कहने के बाद भी संतोषजनक जवाब न पाकर उन्होंने समाजसेवी से सम्पर्क किया जिसके बाद उनके द्वारा किए गए अथक प्रयासों से आज ये सम्भव हुआ है उन्होंने कहा कि एक भाई ने अपनी बहन की इज्जत समझते हुए इस मुहिम को उठाया ही नहीं बल्कि धरातल पर पूरा करके दिखाया। ऐसे लोगो को ही जनप्रतिनिधि बनकर अपने क्षेत्र एवं जनपदवासियो की सेवा करनी चाहिए।

जिसके बाद से ही मोहल्ले में समाजसेवी द्वारा किए गए कार्य की प्रशंसा हो रही है।

दबंगों की पिटा से परेशान, किसान को ही बना दिया आरोपी

संवाददाता

हरदोई।लखनऊ से ईको गाड़ी में बैठकर आ रही महिला की बैग से पचपन हजार के जेवरात चोरी हो गए।पीड़ित महिला ने कोतवाली पुलिस को रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए तहरीर दी है।कोतवाली क्षेत्र के राम नगर मजरा बरहुआं निवासी रिंकी पटेल पत्नी सुनील कुमार गुरुवार को लखनऊ के दुबग्गा से चलने वाले डग्गामार वाहन ईको गाड़ी पर बैठकर गांव आ रही थी।कार में अन्य लगभग सात सवारियां भी बैठी हुई थी।

दोपहर में वह कटरा – बिल्हौर हाइवे पर गांव के सामने नमस्ते इंडिया डेयरी पर उतर गई।घर पहुंचने पर उसने अपना बैग देखा तो बैग में रखे लगभग पचपन हजार रुपये के जेवरात गायब थे।जेवरात गायब देखकर महिला के होश उड़ गए।महिला देर रात तक कार चालक से साथ बैठी अन्य सवारियों का पता करती रही।

जानकारी न होने पर शुक्रवार को उसने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की है।फिलहाल पुलिस दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरे चेक कर रही है लेकिन अभी तक पुलिस को कोई सफलता नहीं मिल सकी है।

सीएचसी पर लगा स्वास्थ्य उपचार मेला

संवाददाता

पिहानी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर शुक्रवार को स्वास्थ्य मेला लगाया गया। स्वास्थ्य मेले का उदघाटन मुख्य अथिति ब्लॉक प्रमुख कुशी बाजपेई व विधायक प्रतिनिधि धर्मेश मिश्रा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। स्वास्थ्य मेले में 750 लोगों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया और दवाइयां वितरित की गई।। मेले में 8 से 10 विभागों ने अपने–अपने स्टाल लगाकर लोगों को कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्वास्थ्य मेले में खाद्य, महिला सहायता समूह, अस्पताल प्रशासन ने महिला जागरूकता आदि के स्टाल भी लगाए गए।स्वास्थ्य मेले में ब्लाक प्रमुख कुशी ने प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही स्वास्थ्य लाभ व जनहित की अनेक योजनाओं की जानकारी देते हुए लोगों से समय रहते उन योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। वहीं, सीएचसी प्रभारी डॉ जितेंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि मेले के दौरान स्वास्थ्य और परिवार कल्याण की ओर से चलाई जा रही योजनाओं और कार्यक्रमों के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाएगी। जिससे सभी लोग योजनाओं का लाभ ले सके। मेले में सामान्य चिकित्सा, मातृ स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य, टीकाकरण, परिवार नियोजन परामर्श, मोतियाबिंद की जांच, आंख, कान, नाक एवं गले, दंत चिकित्सा जांच, त्वचा की जांच, पोषण के लिए परामर्श, एड्स नियंत्रण के लिए परामर्श, कुष्ठ नियंत्रण, टीबी नियंत्रण, मलेरिया और आंखों की जांच सुविधा उपलब्ध रही।

कार्यक्रम को विधायक प्रतिनिधि धर्मेश मिश्रा ने भी संबोधित किया। मेले के आयोजन में भाजपा नगर अध्यक्ष गौरव गुप्ता, नीरज सिंह, रामदास कटियार ,तुषार बाजपेई ,प्रधान संघ अध्यक्ष मेवाराम, समेत कई जन प्रतिनिधि मौजूद रहे।

कछौना ब्लाक की 41 ग्राम पंचायतों का खींचा गया विकास का खाका

संवाददाता

कछौना, हरदोई। ग्राम सभा के क्षेत्र को सतत विकास के लिए क्षेत्र पंचायत की अहम भूमिका है। बिना सामाजिक भागीदारी के देश का विकास संभव नहीं ह। मुख्य अतिथि सदस्य विधान परिषद ने कहा वह क्षेत्र के विकास के लिए सतत प्रयासरत है। यह क्षेत्र हमारा जन्म व कर्म भूमि है। त्रिस्तरीय पंचायत में क्षेत्र पंचायत की अहम भूमिका है। वर्तमान समय में 15वां वित्त, राज्य वित्त व मनरेगा क्षेत्र से विभिन्न विकास कार्य कराके गांव की तस्वीर बदली जा रही है। क्षेत्र पंचायत गांव विकास की पहली इकाई है।

ग्राम प्रधानों, क्षेत्र पंचायत सदस्यों के समक्ष विभागीय अधिकारियों ने योजनाओं की जानकारी दी। संबंधित सदस्यों के सुझाव भी सुने। प्रभारी अधीक्षक डॉक्टर किसलय बाजपेयी ने आयुष्मानभव योजना के बारे में प्रकाश डाला। इस योजना के अंतर्गत चिन्हित प्राइवेट अस्पतालों में 5 लाख तक इलाज निःशुल्क करा सकते हैं। आयुष्मान कार्ड आशा बहू के माध्यम से वितरित किए जा रहे हैं। ग्रामीण स्वच्छता समिति के माध्यम से ग्राम प्रधान व आशा बहू के संयुक्त खाता में प्रतिवर्ष दस हजार रुपये की धनराशि आती है।

जिसमें ग्राम सभा में स्वच्छता, दवाएं, उपकरण वजन मशीन, छिड़काव आदि के माध्यम से कार्य करा सकते हैं, कराए गए कार्यों का वाउचर आवश्यक उपलब्ध करा दे। स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला। खंड शिक्षा अधिकारी शशांक सिंह ने बताया सरकारी विद्यालयों में कायाकल्प के माध्यम से विद्यालयों की बुनियादी सुविधाओं को पूर्ण कर तस्वीर बदली जा रही है। जिससे बेहतर माहौल में नौनिहालों स्वयं प्रेरित होकर विद्यालय पहुंच रहे हैं। निपुण योजना के माध्यम से नौनिहालों का शैक्षिक स्तर में सुधार किया जा रहा है। शिक्षा से वंचित बच्चों को ज्यादा से ज्यादा विद्यालय पहुंचने के लिए शारदा योजना के माध्यम से पंजीकरण किया जा रहा है। आप सभी से अपील कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रह जाए, विद्यालय अवश्य भेजें। गांव का कोई छात्र विद्यालय न जाए तो उसे अवश्य टोकें। समाज कल्याण एडीओ सुबोध कुमार ने बताया समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजना वृद्धावस्था, विधवा, दिव्यांगजन, सामूहिक विवाह योजनाएं चल रही है। अधिकांश पेंशन धारक की एनपीसीआई व आधार सीडिंग न होने के कारण पेंशन योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। ऐसे सभी पेंशनधारक अपने खाते की एनपीसीआई अवश्य करालें अथवा अपना खाता डॉक खाना में खुलवा लें। कृषि विभाग से संतोष कुमार ने बताया इस समय प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि के लाभार्थियों में त्रुटियों को संशोधन हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। बाल विकास पुष्टाहार विभाग से प्रभारी सीडीपीओ मीरा मिश्रा ने विभाग की संचालित योजनाओं की जानकारी दी। ग्राम सचिव संतोष कुमार ने स्वच्छ भारत मिशन के बारे में बताया गांव–गांव गलियारों में रोस्टर के अनुसार सफाई व्यवस्था व कूड़ा का उचित प्रबंधन हेतु मुहिम चल रही है। जिससे गांव की तस्वीर बदल रही है। राष्ट्रीय आजीविका मिशन के आशीष शुक्ला ने समूह के बारे में जानकारी दी। इस योजना के माध्यम से महिला सशक्तिकरण में अहम भूमिका निभाई जा रही है। महिलाएं विभिन्न योजनाओं के केयरटेकर, बैंक सखी, बीसी सखी, उद्योग स्थापित कर परिवार के पोषण में पुरुषों से कदम–कदम मिलाकर चल रही है। विद्युत विभाग के उपखंड अधिकारी मोहम्मद शाबान ने विद्युत विभाग द्वारा संचालित योजनाओं पर प्रकाश डाला। सदस्य गणों ने अपने क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं से अवगत कराया। कटियामऊ गांव में एक मोहल्ला दलित समाज का विद्युतीकरण से वंचित है, लेकिन मीटर खंभे लगे हैं। कई विद्यालय में अभी तक विद्युत कनेक्शन नहीं है।

केन विलियमसन 18,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने वाले न्यूजीलैंड के दूसरे बल्लेबाज बने

एजेंसी

नईदिल्ली। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन ने दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के खिलाफ दूसरे टेस्ट में शानदार शतक (133′) लगाया।उन्होंने हैमिल्टन टेस्ट की चौथी पारी में अपने करियर का 32वां शतक लगाया।इसके साथ विलियमसन ने अपनी पारी के दौरान एक महत्वपूर्ण भी उपलब्धि हासिल की।दरअसल, उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने 18,000 रन पूरे किए। वह ऐसा करने वाले न्यूजीलैंड के केवल दूसरे खिलाड़ी बने हैं।

जीत के लिए मिले 267 रन का पीछा करते हुए जब मेजबान टीम ने 40 रन पर अपना पहला विकेट खोया था, तब विलियमसन क्रीज पर आए।उन्होंने मेहमान टीम की अनुभवहीन गेंदबाजी का पूरा फायदा उठाया।शुरुआत में धीमी गति से बल्लेबाजी करने वाले विलियमसन ने 112 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने विल यंग (60′) के साथ मिलकर 152 रन की अटूट साझेदारी भी की।वह 260 गेंदों पर 133 रन बनाकर नाबाद रहे।

विलियमसन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 18,000 रन पूरे करने वाले सिर्फ दूसरे कीवी खिलाड़ी बने हैं। उनके अब 352 मैचों में 48.71 की औसत से 18,023 रन है।न्यूजीलैंड से सभी प्रारूप को मिलाकर उनसे ज्यादा रन सिर्फ रॉस टेलर (18,199) ने बनाए हैं। इस संबंध में न्यूजीलैंड के किसी अन्य बल्लेबाज के नाम 16,000 रन भी नहीं हैं।न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग 15,289 अंतरराष्ट्रीय रनों के साथ सूची में अगले स्थान पर हैं।

अपने शतक के साथ विलियमसन चौथी पारी में 1,000 से अधिक रन बनाने वाले न्यूजीलैंड के दूसरे बल्लेबाज बने हैं। उनसे पहले टेलर (1,052) ऐसा कर चुके हैं।विलियमसन को चौथी पारी में अब 57.77 की औसत के साथ 1,040 रन हो गए हैं।इस बीच चौथी पारी में कम से कम 1,000 रन बनाने वाले बल्लेबाजों में विलियमसन का औसत भारत के सुनील गावस्कर (58.25) और इंग्लैंड के जेफ्री बॉयकॉट (58.76) के बाद तीसरे स्थान पर है।

टेस्ट की चौथी पारी में विलियमसन का यह 5वां शतक रहा। उन्होंने पाकिस्तान के यूनिस खान की, जिन्होंने चौथी पारी में इतने ही शतक के साथ अपना करियर खत्म किया था।इस संबंध में न्यूजीलैंड का कोई भी अन्य बल्लेबाज 2 से अधिक शतक नहीं लगा सका है।विलियमसन अब न्यूजीलैंड–दक्षिण अफ्रीका टेस्ट मैचों में सबसे ज्यादा 6 शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में पूर्व कप्तान कैलिस की बराबरी की।

पिछली 12 टेस्ट पारियों में विलियमसन के स्कोर 132, 1, 121′, 215, 104, 11, 13, 11, 118, 109, 43, और 133′ रन हैं।सीरीज के पहले टेस्ट की दोनों पारियों में उन्होंने शतक लगाए थे।वह न्यूजीलैंड की ओर से दोनों टेस्ट पारियों में शतक लगाने वाले 5वें बल्लेबाज बने थे।उनसे पहले ग्लेन टर्नर (बनाम ऑस्ट्रेलिया, 1974), ज्योफ हॉवर्थ (बनाम इंग्लैंड, 1978), एंड्रयू जोन्स (बनाम श्रीलंका, 1991) और पीटर फुल्टन (बनाम इंग्लैंड, 2013) ऐसा कर चुके हैं।

अर्जेंटीना ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे अल्काराज

एजेंसी

ब्यूनस आयस। कार्लोस अल्काराज ने अर्जेंटीना के क्वालीफायर कैमिलो उगो काराबेली के खिलाफ अर्जेंटीना ओपन के पहले मैच में सीधे सेटों में जीत दर्ज की और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टरफाइनल से बाहर होने के बाद अपना पहला मैच खेल रहे स्पेनियार्ड ने गुरुवार रात दूसरे मैच में दो मैच प्वाइंट गंवाने के बाद 6–2, 7–5 से जीत दर्ज की। अल्काराज का अगला मुकाबला क्वालीफायर एंड्रिया वावसोरी से होगा जिन्होंने सातवीं वरीयता प्राप्त इटली के लास्लो जेरे को 6–4, 7–5 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। अल्काराज ने मैच के बाद एटीपी टूर के हवाले से कहा, यह वास्तव में एक कठिन मैच रहा है। मैच में उसे हराना वास्तव में कठिन था। मैं सच बताऊं तो उसके प्रति फैंस का समर्थन देखकर मैं घबरा गया था। पिछले सीजन में बार्सिलोना और एटीपी मास्टर्स 1000 में घरेलू खिताब बरकरार रखने के बाद स्पेनिश शीर्ष वरीय अपने करियर में तीसरी बार खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने के लिए प्रयास कर रहे हैं। इससे पहले एटीपी 250 में अर्जेंटीना के फेडेरिको कोरिया ने दूसरी वरीयता प्राप्त कैमरून नोरी को 4–6, 6–4, 6–3 से हराया। अपनी चौथी शीर्ष 20 जीत और 2022 के बाद पहली अर्जित करके, घरेलू पसंदीदा अपने 12वें टूर–स्तरीय क्वार्टरफाइनल में आगे बढ़ गया। कोरिया का अगला मुकाबला अपने ही देश के सेबेस्टियन बाएज़ से होगा, जिन्होंने पांचवीं वरीयता प्राप्त कॉर्डोबा चैंपियन लुसियानो डार्डेरी को 6–4, 7–5 से हराया, जिससे इतालवी खिलाड़ी की छह मैचों की जीत का सिलसिला समाप्त हो गया।

सरफराज खान के पिता भावुक हो गए, सपना सच होते ही बेटे की टेस्ट कैप चूम ली

एजेंसी

राजकोट। भारत बनाम इंग्लैंड के बीच तीसरे टेस्ट की शुरुआत से पहले राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में भावनात्मक दृश्य सामने आया जब दाएं हाथ के बल्लेबाज सरफराज खान ने टेस्ट कैप दिग्गज लेग स्पिनर अनिल कुंबले से प्राप्त की। राजकोट में जैसे ही कुंबले ने सरफराज को टेस्ट कैप सौंपी, उनके पिता–सह–कोच नौशाद खान अपनी आंखों के सामने उभरते दृश्यों को देखकर भावुक हो गए। इसके बाद विजुअल्स में सरफराज को अपने पिता और पत्नी को दिखाने के लिए अपनी टेस्ट कैप के साथ सीमा रेखा के पार दौड़ते हुए दिखाया गया, जो किनारे से कार्यवाही देख रहे थे।

जैकेट के पीछे क्रिकेट हर किसी का खेल है लिखा हुआ था, नौशाद की आंखों में आंसू थे और गर्व महसूस कर रहे । नौशाद ने खुशी से उन्हें गले लगाया और टेस्ट कैप पर भारतीय बैज को चूमा, जबकि सरफराज अपनी पत्नी की आंखों से आंसू पोंछ रहे थे।

सरफराज खान पिछले कुछ वर्षों में घरेलू क्रिकेट में मुंबई के लिए काफी रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे हैं और हाल ही में उन्होंने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ सीरीज में भारत ए के लिए भी बड़े रन बनाए। ढेर सारे रन बनाने के बावजूद सरफराज पहले भी कई मौकों पर टेस्ट डेब्यू नहीं कर पाए थे। केएल राहुल और रवींद्र जडेजा के चोटों के कारण बाहर होने के बाद विशाखापत्तनम में दूसरे टेस्ट के लिए टीम में नामित किए जाने पर उन्हें भारतीय टीम में पहली बार मौका मिला, लेकिन रजत पाटीदार ने पदार्पण किया। शेष तीन टेस्ट मैचों के लिए श्रेयस अय्यर को टीम में शामिल नहीं किया गया और राहुल अभी भी क्वाड्रिसेप्स की चोट से उबर रहे हैं, कई लोगों ने सरफराज को पदार्पण करने की सलाह दी। गुरुवार को, सरफराज का सपना सच हो गया जब उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट की शुरुआत से पहले भारत के लिए 311वां टेस्ट क्रिकेटर बनने के लिए टेस्ट कैप प्रदान की गई। वास्तव में आप पर गर्व है, जिस तरह से आप आगे बढ़े हैं। मुझे यकीन है कि आपने जो हासिल किया है उस पर आपके पिता और परिवार को बेहद गर्व है। मैं जानता हूं कि आपने पूरी मेहनत की है। कुछ निराशाएँ थीं लेकिन इसके बावजूद आपने घरेलू सीजन में जो रन बनाए हैं, वे आपको यहाँ ले आए हैं। कुंबले ने सरफराज को टेस्ट कैप देने से पहले भाषण में कहा, तुम्हें शाबाश, मुझे यकीन है कि आपके पास बनाने के लिए बहुत सारी अद्भुत यादें होंगी।

भारतीय महिलाओं ने क्वार्टर फाइनल में हांगकांग को हराया

एजेंसी

शाह आलम। भारतीय महिला बैडमिंटन टीम ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में हांगकांग को 3–0 से हराकर बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप (बीएटीसी) में अपना पहला पदक पक्का कर लिया। शीर्ष शटलर ने चोट के बाद वापसी करते हुए अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए लो सिन यान हैप्पी को 21–7, 16–21, 21–12 से हराकर भारत को शुरुआती बढ़त दिला दी। अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रैस्टो की युगल जोड़ी ने युंग नगा टिंग और युंग पुई लैम पर सीधे गेमों में 21–10, 21–14 से जीत दर्ज करके बढ़त दोगुनी कर दी। फिर, अश्मिता चालिहा ने युंग सुम यी पर 21–12, 21–13 से जीत के साथ ताबूत में आखिरी कील ठोक दी और टीम के लिए सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। पदक पक्का, भारत अब शीर्ष वरीयता प्राप्त जापान और चीन के बीच दूसरे क्वार्टर फाइनल के विजेता से भिड़ेगा। द्विवार्षिक महाद्वीपीय टीम चैंपियनशिप का 2024 संस्करण अप्रैल–मई में चीन के चेंगदू में होने वाले 2024 थॉमस और उबेर कप के लिए एशियाई क्वालीफायर के रूप में भी काम करेगा। भारत थॉमस कप का वर्तमान धारक है।

बीएटीसी 2024 मूल्यवान रेस टू पेरिस 2024 रैंकिंग अंक भी प्रदान करता है, जो आगामी ओलंपिक खेलों में प्रतिस्पर्धा करने के इच्छुक शटलरों के लिए महत्वपूर्ण होगा।

राजकोट टेस्ट के दूसरे दिन लंच तक भारत 388/7

एजेंसी

राजकोट। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों के तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन शुक्रवार को लंच तक टीम इंडिया ने 7 विकेट पर 388 रन बना लिए हैं। डेब्यूटेंट ध्रुव जुरेल और रविचंद्रन अश्विन क्रीज पर हैं। वहीं, रवींद्र जडेजा 112 रन बनाकर आउट हुए। भारत ने दूसरे दिन 326/5 के स्कोर से अपनी पहली पारी आगे बढ़ाई थी। भारत के लिए दिन की शुरुआत खराब रही। टीम इंडिया ने दूसरे दिन के पहले सेशन में 2 विकेट गंवाए, लेकिन टीम का स्कोर 400 रन के करीब भी पहुंच गया।सत्र खत्म होने तक जुरेल 31 और अश्विन 25 रन बनाकर नाबाद लौटे। इस सत्र में इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन और जो रूट ने 1–1 विकेट लिया। भारत ने 27 ओवर बल्लेबाजी कर 62 रन बनाए। कप्तान रोहित शर्मा (131) और आलराउंडर रवींद्र जडेजा (112) के शानदार शतकों और सरफराज खान के पदार्पण मैच में 62 रन की बेहतरीन अर्धशतकीय पारी से भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में अपनी पकड़ मजबूत कर रखी है। इससे पहले मैच के पहले दिन गुरुवार को स्टंप्स तक भारत ने पांच विकेट पर 326 रन बनाए थे।

रोहित ने अपनी पारी के दौरान गेंद पर नियंत्रण रखा : पार्थिव पटेल

राजकोट। राजकोट में तीसरे टेस्ट के पहले दिन इंग्लैंड के खिलाफ 131 रन की पारी खेलकर रोहित शर्मा ने अपना 11वां टेस्ट शतक जमाया। जिसके बाद पूर्व विकेटकीपर–बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने उनकी सराहना की। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। दिन के पहले 45 मिनट में भारत 33/3 पर सिमट गया। यहां से भारतीय टीम के लिए मैच में वापसी करना काफी मुश्किल था, लेकिन हिटमैन की पारी ने टीम को मैच में वापसी कराई। रोहित ने 196 गेंदों में 14 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 131 रन बनाए।

मिशन संदेश
हिन्दी साप्ताहिक

स्वामी, मुद्रक,प्रकाशक मो.सईद पठान द्वारा अनिल प्रिंटिंग प्रेस प्लाट नं.26, औद्योगिक अस्थान, मुखलिसपुर रोड खलीलाबाद, संत कबीर नगर 272175 उत्तर प्रदेश से मुद्रित कराकर,मोहल्ला ईदगाह मोती नगर खलीलाबाद, संत कबीर नगर से प्रकाशित किया गया

सम्पादक
मो0 सईद पठान
मो.– 9454001238
Email:-
missionsandesh.skn@gmail.com

नोट–सभी विवादों का न्याय क्षेत्र संत कबीर नगर मान्य होगा